बुधवार
03 जुलाई 2024

पृष्ठ 4
आंखों के काले घेरों से छुटकारा चाहते...

पृष्ठ 5
ऑडियो सीरीज एंटरटेनमेंट का एक..

● देहरादून
● वर्ष 32
● अंक 150
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

आज का विचार

पुष्प की सुगंध वायु के विपरीत कभी नहीं जाती लेकिन मानव के सदगुण की महक सब ओर फैल जाती है।

– गौतम बुद्ध

दूनवैलीमेल

सांध्य दैनिक

email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com

आर.एन.आई.- 59626/94

डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

सुप्रीम कोर्ट तक पहुंचा भगदड़ में मौतों का मामला

सब-अब तक 72 की शिनाख्त, पोस्टमार्टम की प्रक्रिया जारी

- योगी बोले दोषियों को छोड़ेंगे नहीं
- घटनास्थल से साक्ष्य की तलाश जारी
- पीड़ितों में आक्रोश, थम नहीं रहे हैं आंसू

विशेष संवाददाता

हाथरस। बीते कल जनपद हाथरस के गांव फुलरई में आयोजित बाबा नारायण सरकार हरी और भोले बाबा जैसे नामों से जाने जाने वाले प्रवचनकर्ता के सत्संग में भगदड़ के कारण भोले भाले 121 लोगों की मौत हो गई तथा 60-70 लोग घायल हों गये, जिनमें कई की हालत गंभीर बनी हुई है।

मन और आत्मा को झकझोर देने वाली इस घटना के बाद हरकत में आए शासन-प्रशासन द्वारा अब बाबा की तलाश की जा रही है वही उसके कई चेले चपाटों को पुलिस हिरासत में लिया जा चुका है। आयोजको व बाबा सहित तमाम लोगों के खिलाफ अब तक सात एफआईआर दर्ज की जा चुकी है। बाबा व उसके 17 गुर्गो के फोन बंद है। उधर सीएम ने दोषियों के खिलाफ सख्त एक्शन के निर्देश दिए हैं। हाथरस जिला प्रशासन आज घटनास्थल और आसपास के क्षेत्र से साक्ष्य व मृतकों का सामान तलाशने तथा मृतकों की शिनाख्त और पोस्टमार्टम की कार्रवाई में जुटा हुआ है अब तक 72 मृतकों की पहचान हो गई है। वही आगरा, हाथरस और एटा के अस्पतालों में मृतकों का पोस्टमार्टम चल रहा है जिसके लिए डॉक्टरों की अतिरिक्त टीमें भेजी गई है। कल योगी भी घटनास्थल व अस्पतालों का दौरा करने वाले हैं।

उधर खबर यह भी है कि इस मामले में सुप्रीम कोर्ट में भी जनहित याचिका दायर की गई है। सवाल यह है कि इस आयोजन में सवा लाख लोगों को प्रशासन ने क्यों इकट्ठा होने दिया इसकी अनुमति किसने दी। दुर्घटना स्थल पर प्रशासन ने इंतजामों का जायजा क्यों नहीं लिया अस्पतालों में घायलों को इलाज क्यों नहीं मिल सका। जिस बाबा के द्वारा क्षेत्र में अपनी आडंबरों की दुकान और धंधा चलाने की बात अब सामने आ रही है उस पर पुलिस प्रशासन ने पूर्व में मुकदमा दर्ज होने के बाद भी शिकंजा क्यों नहीं कसा गया?

कथा-प्रवचन और सत्संगों जैसे धार्मिक आयोजनों को अगर रोका नहीं जा सकता है तो इनके आयोजनों में आने वालों की संख्या पर तो सख्ती से रोक लगाई ही जा सकती है? इस आयोजन में सवा लाख लोगों की भीड़ जुटी तो क्या यह प्रशासन की बड़ी लापरवाही नहीं है?

ऐसे तमाम उदाहरण है कि यह बाबा अकूत संपत्ति के स्वामी चंद दिनों में बन जाते हैं और व्यवहाचार का धंध ा करने लगते हैं ऐसे बाबाओं पर क्या पुलिस प्रशासन की नजर रखने की जिम्मेदारी नहीं है? पीड़ित अब अपनो के लिए आंसू बहा रहे हैं, प्रशासन जांच में जुटा है और बाबा फरार है।

हाथरस की घटना के बाद पुलिस मुख्यालय सतर्क, दिये निर्देश

- जनपदों में आयोजित कार्यक्रमों को संवेदनशीलता से लें: अंशुमान

संवाददाता

देहरादून। हाथरस की घटना के बाद पुलिस मुख्यालय सर्तक हुआ। अपर पुलिस महानिरीक्षक एपी अंशुमान ने सभी जनपद प्रभारियों को निर्देश दिये हैं कि जनपदों में आयोजित होने वाले कार्यक्रमो को संवेदनशीलता से लिया जाये।

आज यहां एपी अंशुमान, अपर पुलिस महानिदेशक, अपराध एवं कानून व्यवस्था, उत्तराखण्ड द्वारा समस्त परिक्षेत्र/जनपद प्रभारियों, पुलिस महानिरीक्षक, सुरक्षा, पुलिस उपमहानिरीक्षक, अपराध एवं कानून व्यवस्था एवं पुलिस अधीक्षक, रेलवेज के साथ वीडियो कांफ्रेसिंग के माध्यम से समय-समय पर आयोजित होने वाले विभिन्न मेले, धार्मिक आयोजन एवं अन्य अवसरों पर भीड़ प्रबन्ध न के दृष्टिगत जनपदों द्वारा की जा रही कार्यवाही की समीक्षा करने के उपरान्त निर्देश दिये गये कि भीड़ प्रबन्धन के दृष्टिगत जनपदो में आयोजित होने वाले कार्यक्रमों को संवेदनशीलता से लिये जाने, आयोजन हेतु एनओसी दिये जाने से पूर्व थाना प्रभारी द्वारा स्वयं मौके पर जाकर आयोजन स्थल की भीड़ क्षमता, प्रवेश/निवासी द्वार, पार्किंग आदि का आंकलन करने के उपरान्त ही कार्यक्रम हेतु एनओसी दी जाये, के सम्बन्ध में समस्त थाना प्रभारियों को भली-भांति ब्रीफ कर निर्देशित किया जाये। उन्होंने कहा कि

▶▶ शेष पृष्ठ 7 पर

हाथरस में चरणों की धूल पाने की होड़ में गई भक्तों की जान

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश के हाथरस में सत्संग के दौरान भगदड़ मचने से मौत का आंकड़ा 121 पर पहुंच गया है, जबकि 35 लोग घायल हुए हैं। इनमें कुछ की हालत गंभीर है। सत्संग वाले भोले बाबा हादसे के बाद से ही फरार हैं।

हाथरस हादसे की प्रथम जांच रिपोर्ट से पता चला है कि हाथरस में स्वयंभू बने भोले बाबा का सदमार्ग दर्शन उनके भक्तों के लिए काल बन गया। बाबा के चरणों की मिट्टी की पाने की होड़ उनके भक्तों को मौत के मुंह में ले गई। मिली जानकारी के मुताबिक, इस मिलन समागम के लिए भोले बाबा समिति द्वारा पहले इटावा में प्रशासन से अनुमति मांगी थी, लेकिन इटावा में परमिशन न मिलने के कारण स्थान परिवर्तन करते हुए हाथरस जिले में भोले बाबा का सत्संग रखा गया। यहां पर जिला प्रशासन से अनुमति मिलने के बाद 2 जुलाई को बाबा का समागम हुआ, जिसमें भगदड़ मच गई, मिलन समागम चीत्कार में बदल गया।

'मणिपुर के मुद्दे पर आग में घी डालने वाले अपनी हरकतें बंद करें'

मणिपुर में शांति स्थापित करने के लिए जरूरी कदम उठा रही है सरकार: मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज बुधवार के राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर अपने भाषण में कई महीनों से हिंसा से ग्रस्त मणिपुर का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि मणिपुर में हालात सामान्य बनाने के लिए सरकार लगातार प्रयायरत है। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि मणिपुर के मुद्दे पर लोगों को आग में घी डालने का काम नहीं करना चाहिए। 18वीं लोकसभा के गठन के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मणिपुर हिंसा को लेकर पहली बार बयान दिया। विपक्ष की ओर से कल लोकसभा में पीएम मोदी के संबोधन के दौरान मणिपुर हिंसा पर बयान देने की मांग को लेकर

लगातार हंगामा किया गया। लेकिन राज्यसभा में आज बुधवार को पीएम मोदी ने मणिपुर की स्थिति पर कहा कि मणिपुर में हालात सामान्य बनाने के लिए सरकार प्रयास में जुटी हुई है। पिछले कुछ समय से मणिपुर में हिंसा की घटनाओं में लगातार कमी आ रही हैं।

उन्होंने कहा कि मणिपुर में भी सामान्य तरीके से स्कूल और कॉलेज खुल रहे हैं। देश के अन्य राज्यों में जिस तरह से परीक्षाओं का आयोजन कराया गया, वैसे ही यहां पर भी परीक्षाएं हुईं। उन्होंने आगे कहा कि केंद्र सरकार सभी से बातचीत करके शांति बहाली और सौहार्दपूर्ण रास्ता बनाने की कोशिश में लगी हुई है। मणिपुर में हिंसा भड़काने वालों को तल्ख लहजे में समझाते हुए पीएम मोदी ने कहा, जो भी तत्व मणिपुर की आग में घी डालने की कोशिश कर रहे हैं, उन्हें आगाह करना चाहता हूं कि वे लोग ये हरकतें बंद करें। मेरा मानना है कि एक वक्त वह भी आएगा जब मणिपुर के लोग ही उन्हें रिजेक्ट कर देंगे।

दून वैली मेल

संपादकीय

हाथरस हादसा जिम्मेवार कौन?

राजनीति जन सरोकारो के लिए या फिर सिर्फ सत्ता के लिए यह सवाल हम यहां इसलिए उठा रहे हैं कि कल जब संसद में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी राष्ट्रपति के अभिभाषण पर विपक्ष के सवालों का जवाब देते हुए बोल रहे थे और अपनी सरकार की 10 सालों की उपलब्धियों का बखान करते हुए यह बता रहे थे कि उनकी डबल इंजन सरकारों ने इंफ्रास्ट्रेक्चर के विकास में क्या कृतिमान स्थापित किए हैं, उस समय उत्तर प्रदेश के हाथरस के फुलरई गांव में आयोजित भोले बाबा के एक धार्मिक कार्यक्रम में मची भगदड़ से लोग मर रहे थे और उन्हें अस्पताल तक पहुंचाने के लिए चार एंबुलेंस तक उपलब्ध नहीं थी तथा मृतक और घायलों को लोग निजी वाहनों में लादकर जिस अस्पताल तक ले जा रहे थे वहां न कोई डॉक्टर था और न अस्पताल में दवायें थी। जिनकी सांसे चल भी रही थी उनकी सांस भी इलाज न मिल पाने के कारण थमती चली गई और मौत का आंकड़ा शाम होते-होते 100 के पार चला गया। इस दर्दनाक हादसे के घंटों बाद जब जिले के आला अधिकारी पहुंचे तो दुर्घटना के शिकार हुए लोगों व क्षेत्र वासियों ने उन्हें घेर लिया जो जांच की बात कहकर टाल-मटोल करने में लगे थे। भले ही यह एक दुर्घटना सही लेकिन देश की उन स्वास्थ्य सेवाओं और इंफ्रास्ट्रेक्चर के विकास की कलई खोलने के लिए हाथरस की यह दुर्घटना बहुत काफी है। सरकार संसद में किस विकसित भारत का सपना लोगों को दिखा रही है। जहां लोगों को इलाज नहीं मिल सकता और अस्पतालों में डॉक्टर तक उपलब्ध नहीं है दावों और उपकरणों की तो बात ही छोड़िए उससे भी शर्मनाक बात यह है कि दुर्घटना की सूचना मिलने के बाद भी प्रधानमंत्री का भाषण जारी रहता है और मरने वालों की सुध नहीं ली जाती है। जिस धर्म और आस्था के नाम पर राजनीति तो की जाती है उस समय अगर किसी धार्मिक कार्यक्रम में इतनी बड़ी दुर्घटना होने पर संसद का कार्यवाही और प्रधानमंत्री का भाषण जारी रहता है तो यह कैसी राजनीति है जिसका सरोकार जनता से नहीं सिर्फ चुनावी जीत तक ही सीमित होकर रह गया है। जिन्हें मरना था वह मर चुके हैं। जो घायल है उनके लिए 50 हजार और मृतक आश्रितों के लिए दो-दो लाख मुआवजे की घोषणा हो चुकी है। रही बात जांच की तो देश में आए दिन तमाम दुर्घटनाएं होती रहती है जिसके बाद जांच के सिवाय किया ही क्या जा सकता है। संसद में यह बता पाना कि हमारी इतनी राज्यों में सरकार है हम यहां जीते हम वहां जीते और लोगों ने हमें अगर तीसरी बार भी सत्ता में आने का जनादेश दिया है तो यह हमारी बड़ी उपलब्धि है लेकिन उस जनता का क्या जिसने आपको सत्ता में भेजा है उनकी जान माल की सुरक्षा की गारंटी कौन लेगा? क्यों आज तक यह सुनिश्चित नहीं किया जा सका है कि इस तरह के हादसे फिर न हो। सवाल यह है कि इन मौंतो के लिए कौन जिम्मेदार है क्यों इतनी बड़ी संख्या में लोगों को इकट्ठा होने दिया गया प्रशासन द्वारा उनकी सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम क्यों नहीं किए गए? क्यों घायलों को उचित इलाज नहीं मिल सका, क्या इन सवालों का जवाब देने के लिए कोई सामने आएगा?

इंडोनेशिया में डॉ. सुजाता संजय ने की पद्मश्री अगुस इंद्रा उदयना से मुलाकात

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। बाली, इंडोनेशिया स्थित गाँधी आश्रम के संस्थापक पद्म श्री अगुस इंद्र उदयन एक प्रतिष्ठित सामाजिक कार्यकर्ता है। वर्ष 2020 में, उन्हें उत्कृष्ट सामाजिक योगदान, विशेष रूप से गाँधीवादी मूल्यों के प्रसार के लिए भारत सरकार द्वारा पद्म श्री सम्मान से सम्मानित किया जा चुका है। बाली इंडोनेशिया स्थित गाँधी आश्रम में सभी लोग अहिंसा, मानवता और सत्य के गाँधीवादी सिद्धांतों का पालन करते हैं।

पद्म श्री इन्द्र उदयना ने डॉ. सुजाता संजय से बातचीत के दौरान कहा कि गाँधी जी के विचार एवं सिद्वांत आज भी न केवल हमारे और आपके देश के लिए बल्कि पूरी विश्व के लिए प्रसांगिक है। गाँधी जी का अहिंसा का सिद्वांत पूरी मानवता के लिए हितकारी है।

राष्ट्रपति द्वारा सम्मानित संजय ऑर्थोपीडिक, स्पाइन एवं मैटरनिटी सेंटर, देहरादून की स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ डॉ. सुजाता संजय ने बाली, इंडोनेशिया स्थित गाँधी आश्रम के संस्थापक पद्म श्री अगुस इंद्र उदयाना से मुलाकात कर बातचीत की और अपनी स्वरचित महिलाओं से संबंधित स्वास्थ्य पुस्तक ''महिला दर्पण'' एवं ''आरोग्य नारी एक परिकल्पना'' उनको भेंट की।

महिला स्वास्थ्य के बारे में चर्चा करने के दौरान उनसे कहा कि महिलाओं की समस्याऐं पूरे विश्व में एक जैसी ही है। महिलाओं को अपने स्वास्थ्य के प्रति ज्यादा से ज्यादा जागरूक होना चाहिए क्योंकि महिलाऐं ही अपने बच्चों की प्रथम गुरू होती है। यदि महिलाऐं स्वस्थ होगी तो उनका परिवार स्वस्थ होगा और पूरा समाज स्वस्थ होगा।

राहुल ने बीजेपी व आरएसएस को हिन्दुत्व का मतलब समझायाः माहरा

संवाददाता

देहरादून। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष करन माहरा ने कहा कि राहुल गांधी ने भाजपा को हिंदुत्व का मतलब समझाने का काम, उसको सामने लाने का काम किया, जिसकी पूरे देश तथा दुनिया के अंदर प्रशंसा की गई।

आज प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष करन माहरा ने एक बयान जारी करते हुए कहा कि संसद में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर बोलते हुए लोकसभा में इंडिया गठबंधन के नेता व लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने भारतीय जनता पार्टी और आरएसएस की कलई खोलने का काम किया वो काबिले तारीफ है। राहुल ने भाजपा को हिंदुत्व का मतलब समझाने का काम, उसको सामने लाने का काम किया, राहुल के सम्बोधन में पूरे देश तथा पूरी दुनिया के अंदर प्रशंसा की गई। माहरा ने बताया कि हिंदू होने का मतलब निर्भीक निडर होना है, साहसी होना है, अहिंसक होना है, प्रेमपूर्ण होना है, सत्य पर विश्वास करना है, अच्छाई के साथ और अन्याय के खिलाफ खड़ा होना है। लेकिन भाजपा केवल नफरत और हिंसा फैलाती है। भाजपा लोगों को डराती है, क्योंकि भारतीय जनता पार्टी जनविरोधी हैं। माहरा ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी अब घबरा गई है क्योंकि राहुल गांधी ने संसद में उन्हें बेनकाब कर दिया है। फर्जी खबरों और ऐडिट किए गए वीडियो का सहारा लेने से अब मदद नहीं मिलेगी, भाजपा और उसके नेता सोचते हैं कि वे हिंदू धर्म के ठेकेदार हैं, लेकिन उन्होंने हमारे धर्म का दुरुपयोग किया है और इसके नाम पर हिंसा और नफरत भड़काने की कोशिश की है। हिंदू धर्म ने कभी भी किसी भी प्रकार की आक्रामकता का सहारा नहीं लिया है, यह नफरत और हिंसा का उपदेश नहीं देता है, यह समावेशी है, यह प्रेमपूर्ण है, यह साहस का प्रतीक है। राहुल गांधी ने कल ये सब उजागर कर दिया। माहरा ने कहा कि जब राहुल गांधी ने संसद भवन में भगवान शिव की तस्वीर दिखाई तो भाजपा हैरान रह गई. प्रधानमंत्री मोदी और गृह मंत्री अमित शाह समेत भाजपा सदस्य सकते में आ गये. इन नकली हिंदुओं ने संसद में भगवान शिव की तस्वीर दिखाए जाने पर भी आपत्ति जताई यह भाजपा वाले डरे हुए थे यही कारण है कि वे गंदी चालें अपना रहे हैं। माहरा ने कहा कि हम राहुल की बात को दोहराते हैं और उस पर कायम हैं कि भाजपा और आरएसएस खुद हिंदू होने का दावा करते हैं लेकिन नफरत और हिंसा का प्रचार करते हैं जो हिंदू धर्म की मूल नींव के खिलाफ है।

रणवीर की मौत पर उक्रांद ने एसएसपी से सिपाहियों के निलंबन की मांग की

संवाददाता

देहरादून। पुलिस अभिरक्षा में युवक की पिटाई के बाद उसकी मौत के मामले में उक्रांद युवा प्रकोष्ठ ने एसएसपी से मिलकर सिपाहियों के निलंबन की मांग की।

आज उतराखंड क्रांति दल द्वारा पिछले दिनों ऋषिकेश के ढालवाला में रणवीर सिंह रावत की पुलिस हिरासत में मृत्यु को लेकर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अजय सिंह से मिले। उक्रांद युवा प्रकोष्ठ के केंद्रीय अध्यक्ष राजेंद्र सिंह बिष्ट ने कहा कि राज्य में धामी सरकार के राज में आम इंसान को इस प्रकार से उठाकर जेल में मारना तथा वहां उनकी हत्या करना, कानून व्यवस्था की पोल खोलता है। उन्होंने एस एस पी से मिलकर ऋषिकेश कोतवाली के आरोपी दो पुलिस सिपाहियों तथा जिम्मेदार अधिकारियों को निर्लंबित करने की मांग की, तथा उनके खिलाफ उचित धाराओ में मुकदमा दर्ज करने की माँग की। इस प्रकार की घटना से जनता तथा पुलिस प्रशासन के बीच भी अविश्वास की स्थिति बनी हुई है, बिष्ट ने कहा कि मृतक को जेल में मारा गया जिसके घाव उनके शरीर पर पाए गए है, आज तक उनकी पोस्ट मार्टम रिपोर्ट भी नहीं आई, जिससे लगता है कि आरोपियों को बचाने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने मांग की कि इस घटना की सी बी आई जाँच हो, ताकि इस प्रकार की घटना की पुनरावृत्ति ना हो। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अजय सिंह ने आश्वासन दिया कि आरोपी पुलिस सिपाहियों को तत्काल निलंबित किया जायेगा, बिष्ट ने कहा कि यदि 3 दिन के भीतर आरोपी सिपाहियों को निलंबित नहीं किया गया और मेडिकल रिपोर्ट व पोस्ट मार्टम नहीं उजागर की गयी तो उक्रांद युवा प्रकोष्ठ उग्र आंदोलन के लिए बाध्य होगा। कार्यक्रम में रविंद्र ममगाई, प्रेम पडियार, परवीन चंद रमोला, भोला दत्त चमोली, बृजमोहन सजवाण, पंकज व्यास, गजेंद्र नेगी, विपिन रावत, अनूप पंवार, पुष्कर गुसाई, प्रेम पडियार, आदि रहे।

झूठ ही बीजेपी की संस्कृतिः भास्कर चुग

संवाददाता

देहरादून। कांग्रेस सेवादल के प्रदेश प्रवक्ता भास्कर चुग ने कहा कि झूठ ही बीजेपी की संस्कृति है। आज यहां कांग्रेस सेवादल के प्रदेश प्रवक्ता अशोक मल्होत्रा ओर भास्कर चुग ने मीडिया को जारी एक बयान में नेता प्रतिपक्ष राहुल गाँधी के द्वारा संसद में दिए भाषण में उठाये गए मुद्दों से बौखलाई भाजपा पर घबराहट में झूठी अफवाह फैलाने का आरोप जड़ा। प्रदेश प्रवक्ता ने कहा कि कांग्रेस नेता द्वारा स्पष्ट कहा गया कि हिन्दू कभी हिंसा नहीं फैला सकता मगर खुद को हिन्दू कहने वाले बीजेपी के लोग दिन रात सिर्फ हिंसा और नफरत फैला रहे है।

प्रवक्ता ने बीजेपी से प्रश्न किया कि हिन्दू हिंसा नहीं फैला सकता कहने से हिन्दू धर्म का अपमान आखिर कैसे हो गया। राहुल गाँधी हिंसा और नफरत फैलाने का आरोप बीजेपी पर लगाया है, हिन्दू धर्म पर नहीं और बीजेपी के उच्च स्तरीय नेतृत्व को भी ये बात पता है। लेकिन इसके साथ साथ बीजेपी को यह भी समझना होगा कि बीजेपी का मतलब हिन्दू धर्म नहीं है। बीजेपी खुद को हिन्दू धर्म समझने की गलतफहमी नहीं पाले तो बेहतर है। वैसे अयोध्या की जनता ने बीजेपी की गलतफहमी दूर करने की पूरी कोशिश की है लेकिन बीजेपी हकीकत को समझ नहीं पाई। प्रदेश प्रवक्ता ने प्रश्न किया कि यदि कोई हिन्दू बीजेपी का विरोध करता है तो क्या वह हिन्दू नहीं।

भास्कर चुग ने बीजेपी पर हिंदुत्व के अपमान का आरोप लगाया और कहा कि ये वही बीजेपी के लोग हैं जिन्होंने हिन्दू धर्म के पवित्र नारे 'हर हर महादेव' को हर हर मोदी में बदल दिया। ये वही लोग हैं जिन्होंने हिन्दू धर्म के वसुधैव कुटुंबकम के सिद्धांत का लगातार अपमान किया और अल्पसंख्यक सहित बीजेपी की विचारधारा से असहमत हिन्दुओं तक के विरुद्ध लगातार नफरत फैलाई। जितना नुकसान हिन्दू धर्म का बीजेपी ने राजनैतिक लाभ के लिए किया उतना कभी किसी ने नहीं किया। इस मौके पर प्रदेश प्रवक्ता अशोक मल्होत्रा, जिला महासचिव जीवन सिंह, सचिव विकेश पँवार एवं भोपाल सिंह राठौर, अमित सैनी आदि मौजूद रहे।

बढ़ती महंगाई और सरकारी आंकड़ों की भूलभुलैया

प्रो० सी० एस० बरला

पिछले दो वर्षों में किए गए अध्ययनों से ज्ञात होता है कि 2022-23 के बीच विश्व में भूख से पीड़ित लोगों की संख्या 69 करोड़ से बढ़कर 78।3 करोड़ हो गई। इसका यह अर्थ हुआ कि 2023 में विश्व की लगभग 1० प्रतिशत जनसंख्या भुखमरी से पीड़ित थी। इसी के विपरीत भारत में राष्ट्रीय सैंपल सर्वे संगठन यानी एनएसएसओ द्वारा उपभोक्ता व्यय पर एकत्रित आंकड़ों से ज्ञात हुआ था कि 2011-12 तथा 2022-23 के बीच शहरी तथा ग्रामीण दोनों क्षेत्रों में परिवारों का उपभोग पर किया जाने वाले व्यय का जिनी गुणांक कम हुआ है। इसका अर्थ यह है कि इस अवधि में ग्रामीण तथा शहरी दोनों ही क्षेत्र में उपभोक्ता व्यय की विषमताओं में कमी हुई है।

उपभोक्ता व्यय के तथ्य ः जिनी गुणांक विभिन्न वर्गों के बीच उपभोक्ता व्यय की विषमताओं का प्रतीक है। यह गुणांक जितना अधिक है उसका आशय यह है कि कुछ ही व्यक्ति उपभोक्ता व्यय का अधिक भाग व्यय करते हैं। परोक्ष रूप में यह देश में व्याप्त गरीबी के उच्च स्तर का प्रतीक है। अन्य शब्दों में, उपभोक्त व्यय का जिनी गुणांक यदि कम है तो यह गरीबों के कम स्तर का परिचायक होगा। भारत के नीति आयोग के प्रमुख इसी आधार पर यह निष्कर्ष देते हैं कि 2011-12 तथा 2022-23 के बीच भारत में गरीबों का अनुपात 5प्रति. से कम हो गया।

2011-12 में शहरी क्षेत्र में उपभोक्ता का जिनी गुणांक ०.363 था और 2011-12 में ग्रामीण क्षेत्र में उपभोक्ता व्यय का जिनी गुणांक ०.283 था। 2022-23 में शहरी क्षेत्र का जिनी गुणांक ०.314 था और 2022-23 में ग्रामीण क्षेत्र का जिनी गुणांक ०।286 था। इस प्रकार दोनों ही क्षेत्रों में उपभोक्ता व्यय में कमी हुई है। राष्ट्रीय सैंपल सर्वे से यह बात सामने आई कि आलोच्य अवधि में उपभोक्ता परिवारों में निचले 5० प्रतिशत परिवारों की उपभोक्ता व्यय के अनुपात में अपेक्षाकृत अधिक तेजी से वृद्धि हुई है। यह एक अच्छा संकेत भी माना जा सकता है क्योंकि उपभोक्ता परिवारों में हम जितनी नीचे की पायदान पर जाएंगे हमें निर्धन लोग ही अधिक दिखाई देंगे।

राज्यवार उपभोक्ता व्यय में अंतर् इस तथ्य को एनएसएसओ ने स्वीकार किया है कि खाद्य पदार्थों की कीमतों तथा उपभोक्ताओं की आदतों में पर्याप्त अंतर होने के कारण सारे राज्यों के परिवारों के उपभोक्ता व्यय की तुलना करने में कठिनाई होती है। इसका एक समाधान प्रति व्यक्ति मासिक उपभोक्ता व्यय की तुलना द्वारा हो सकता है। इन स्तरों में भी विभिन्न राज्यों में काफी विषमताएं हैं। उदाहरण के लिए, छत्तीसगढ़ में प्रति व्यक्ति ग्रामीण क्षेत्र में उपभोक्ता व्यय 2468 रुपए है जबकि शहर में इसका स्तर 4462 रुपए है। इसके विपरीत केरल में ग्रामीण क्षेत्र में प्रति व्यक्ति मासिक उपभोग व्यय 292० रुपए तथा शहरी क्षेत्र में 8175 रुपए है।

अस्तु, उपभोक्ता व्यय के जिनी गुणांक में कमी या वृद्धि से यह तो ज्ञात हो सकता है कि उपभोक्ता व्यय के वितरण में विषमताएं बढ़ीं या कम हुईं लेकिन इसकी सार्थकता कितनी है तथा नीति निर्धारण में यह कहां तक उपयोगी है, यह कहना संभव नहीं है। परिवारों के लिए महत्त्वपूर्ण तथ्य यह है कि उपभोक्ता वस्तुओं की कीमतों का स्तर कितना है तथा उसकी आय के स्तर में अनुपात कितना है। यह भी उल्लेखनीय है कि उपभोक्ता व्यय के आंकड़े हमारी नीतियों को किस प्रकार प्रभावित करते हैं, इसकी भी समीक्षा जरूरी है।

मुद्रास्फीति का आकलन- हाल ही में भारत सरकार द्वारा जारी किए आंकड़ों के अनुसार पिछले कुछ महीनों में देश में खुदरा महंगाई में कमी हुई है, जबकि थोक महंगाई में वृद्धि हुई है। एक आम व्यक्ति के लिए यह एक पहेली है। वह इन आंकड़ों के आधार पर यह निर्णय नहीं कर पाता कि मुद्रास्फीति की यह दर उसके लिए प्रतिकूल है अथवा अनुकूल। वस्तुत- खुदरा तथा थोक मूल्य सूचकांकों की गणना करते समय न केवल वस्तुओं की संख्या में अंतर है और न ही मूल्य में समरूपता है। इस कारण स्थिति के बारे में सटीक जानकारी नहीं मिलती। आवश्यकता इस बात की है कि सैद्धांतिक पृष्ठभूमि में समरूपता लाई जाए जिससे आम व्यक्ति किसी प्रकार के भ्रम में ना रहे ।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

जूस बनाते समय भूल से भी न करें ये गलतियां

रोजाना एक गिलास जूस का सेवन करने से स्वास्थ्य को ढेरों लाभ मिल सकते हैं। हालांकि कई लोग जूस बनाते समय अनजाने में कुछ ऐसी गलतियां कर बैठते हैं जिनके कारण न सिर्फ जूस का स्वाद खराब होता है, बल्कि इससे सेहत को भरपूर फायदा भी नहीं मिल पाता। आइए आज आपको कुछ ऐसी ही गलतियों के बारे में बताते हैं जिनसे हर किसी को जूस बनाते समय बचना चाहिए ताकि जूस के सेवन से स्वास्थ्य को भरपूर फायदा मिले।

इलेक्ट्रिक जूसर मशीन का इस्तेमाल: यकीनन इलेक्ट्रिक जूसर मशीन से जूस मिनटों में तैयार हो जाता है, लेकिन यह जूस के पोषक तत्वों को कम करने का कारण बन सकती है। दरअसल, इलेक्ट्रिक जूसर मशीन बहुत अधिक गर्माहट पैदा करती है जो फलों और सब्जियों में मौजूद आवश्यक पोषक तत्वों को नष्ट कर देती है। लेकिन अगर आप फिर भी इलेक्ट्रिक जूसर का इस्तेमाल करते हैं तो यह जरूर चेक करें कि यह अधिक गर्म तो नहीं हो रहा।

अधिक चीनी का इस्तेमाल : भले ही आप जूस बनाने के लिए महंगी से महंगी सब्जियों और फलों का इस्तेमाल करें, लेकिन अगर आप इसमें अधिक चीनी डाल देते हैं तो यह आपकी सबसे बड़ी गलती हो सकती है। दरअसल, अधिक चीनी का इस्तेमाल करने से शरीर में शुगर लेवल बढ़ सकता है और इससे मधुमेह की समस्या हो सकती है। वहीं जूस के नाम पर शरबत पीने से मोटापे की समस्या का भी सामना करना पड़ सकता है।

फल और सब्जियों में से बीज न निकालना : अगर आप जूस के लिए इस्तेमाल की जाने वाली फल और सब्जियों में से बीज नहीं निकालते हैं तो यह आपकी सबसे बड़ी गलती है। दरअसल, फल और सब्जियों के बीज जूस के स्वाद को खराब कर सकते हैं। यही नहीं, कुछ फल और सब्जियों के बीजों में साइनोजेनिक टॉक्सिन्स भी होते हैं जिनका सेवन सेहत को नुकसान पहुंचा सकता है। इसलिए हमेशा फल और सब्जियों से बीज निकालकर ही जूस बनाएं।

हरी सब्जियों का अधिक इस्तेमाल : हरी सब्जियों के जूस का सेवन काफी स्वास्थ्यवर्धक माना जाता है, लेकिन अधिक हरी सब्जी का इस्तेमाल जूस के स्वाद को खराब कर सकता है। इसलिए अगर आप हरी सब्जियों का जूस बना रहे हैं तो यह ध्यान रखें कि किन-किन सब्जियों का इस्तेमाल करना है। बेहतर होगा कि आप कड़वे स्वाद वाली हरी सब्जियों का एक साथ इस्तेमाल करने से बचें क्योंकि ऐसे जूस के सेवन से उल्टी जैसी समस्याएं हो सकती हैं।

प्रेग्नेंसी से जुड़ा हैं बच्चों के ज्यादा बुद्धिमान होने का राज!

विटामिन डी महत्वपूर्ण पोषक तत्व है और शरीर के सुचारू रूप से कार्य करने के लिए जरूरी है। मां का विटामिन डी गर्भाशय में उसके बच्चे तक पहुंचता है और मष्तिस्क के विकास समेत क्रियाओं को नियंत्रित करने में मदद करता है। जर्नल ऑफ न्यूट्रिशन में प्रकाशित एक शोध से पता चला है कि प्रेग्नेंसी के दौरान मां के विटामिन डी लेवल का संबंध उसके बच्चे की बुद्धि (आईक्यू) से है।

वैज्ञानिकों का कहना है कि प्रेग्नेंसी में ज्यादा विटामिन डी लेवल मष्तिस्क के विकास में सहायक है और बच्चे की बुद्धि को बढ़ा सकता है। इसका मतलब हुआ कि प्रेग्नेंसी के दौरान विटामिन डी का लेवल जितना ज्यादा होगा, उतना ही बच्चों की बुद्धि में बढ़ोतरी की संभावना होगी। शोध में इस बात पर भी रोशनी डाली गई है कि विटामिन डी की कमी सामान्य आबादी के अलावा गर्भवती महिलाओं में आम है। लेकिन काले रंग की महिलाओं को ज्यादा खतरा है क्योंकि स्किन के प्राकृतिक रंगद्रव्य (मेलानिन पिगमेंट) विटामिन के उत्पादन को घटा देता है।

माना जाता है कि मेलानिन पिगमेंट सूरज की अल्ट्रावायलेट किरणों से स्किन की रक्षा करता है। शोध के मुताबिक, काली गर्भवती महिलाओं में विटामिन डी के लेवल में स्पष्ट रूप से ज्यादा कमी देखी गई। वैज्ञानिकों ने 46 फीसद गर्भवती महिलाओं में विटामिन डी की कमी का पता लगाया गया खासकर काली महिलाओं में समस्या ज्यादा आम पाई गई।

बुद्धि से संबंधित कई फैक्टर को मद्देनजर रखते हुए वैज्ञानिकों ने पाया कि प्रेग्नेंसी के दौरान महिलाओं में विटामिन डी का ज्यादा लेवल और 4-6 साल की उम्र के बच्चों में ज्यादा बुद्धि के बीच संबंध मौजूद है।

रसोई के सिंक में भूल से भी नहीं फेंकनी चाहिए ये चीजें, हो सकता है ब्लॉक

जब रसोई का सिंक ब्लॉक हो जाता है तो काफी परेशानी होती है। इसके ब्लॉक होने के पीछे कई वजह हो सकती हैं। हालांकि, सबसे बड़ा कारण यही है कि बर्तन धोते समय हम कई ऐसी चीजें सिंक में फेंक देते हैं, जो इकट्ठी होकर पाइप में अटक जाती हैं और सिंक को ब्लॉक कर देती हैं। आइए जानते हैं कि सिंक में कौन-कौन सी चीजें गलती से भी नहीं जानी चाहिए।

लोग पास्ता या चावल खाने के बाद प्लेट में थोड़ा छोड़ देते और प्लेट को ऐसे ही सिंक में डाल देते हैं, जो कि गलत है। दरअसल, पास्ता और चावल सिंक के पाइप में जाते हैं तो ये सिंक में गिरने वाले पानी को सोखकर फूलने लगते हैं और पाइप में रुकावटे पैदा करने लगते है, जिसके कारण सिंक ब्लॉक हो सकता है। इसलिए अगर पास्ता या चावल का अंश प्लेट में बच जाता है तो उस डस्टबीन में फेंके।

कुछ लोग कॉफी बनाने के बाद कॉफी ग्राउंड को सिंक में फेंक देते हैं और उनकी यहीं गलती सिंक को ब्लॉक कर सकती है। दरअसल कॉफी ग्राउंड सिंक के पाइप में चिपक जाते हैं, जिसकी वजह से पाइप में रुकावटे पैदा होती हैं, इसलिए हमेशा बचे हुए कॉफी ग्राउंड को छन्नी से छानकर डस्टबीन में ही फेंके। कॉफी ग्राउंड के अलावा चायपत्ती को भी रसोई के सिंक में नही फेंकना चाहिए।

सुनने में भले ही आपको अजीब लगे, लेकिन तेल को भी सिंक में नहीं फेंकना चाहिए। भले ही यह एक तरल पदार्थ है, फिर इसे सिंक में न फेंके क्योंकि यह पाइप में चिपकर उसे खराब कर सकता है या फिर सिंक को ब्लॉक करने का भी कारण बन सकता है। अगर पाइप में तेल जम गया है तो एक पैन गर्म पानी से भरकर सिंक में डालें, पाइप साफ हो जाएगा।

रसोई के सिंक में कबी भी अंडे के छिलके, आलू के छिलके या फिर खाने वाले बीज भी नहीं फेंकने चाहिए क्योंकि ये चीजें पाइप में जाने के बाद एक जगह अटक जाती हैं और इनिहें निकालने में काफी पेरशानी होती है। कई बार इनकी वजह से पाइप तक काटना पड़ जाता है। इसलिए अगर आप नहीं चाहते हैं कि आपका ऐसा कोई नुकसान न हो तो इन चीजों को हमेशा सिंक में फेंकने की बजाय डस्टबीन में ही फेंके।

विज्ञापन कंबल की दर्शनीय टांगें

सोनम लववंशी

बरसों पहले अखबार में छपे एक विज्ञापन को देख कर जुमला कहा गया था 'विज्ञापन कंबल की दर्शनीय टांगें, दुकानदार से जाकर हम क्या मांगें!' आज भी यह बात हर विज्ञापन पर सटीक बैठती है।

बाजारवाद के इस दौर में ऐसी कोई वस्तु नहीं है, जिसका विज्ञापन न किया जाता हो। विज्ञापन बनाने वाली कंपनियां इतनी चालाकी से अपने प्रोडक्ट की नुमाइश करती हैं कि न चाहते हुए भी वो प्रोडक्ट हमारे लिए जरूरी से लगने लगते हैं। यहां तक कि झूठे और भ्रामक विज्ञापनों से भी कोई गुरेज नहीं करतीं, लेकिन बीते दिनों पतंजलि के भ्रामक विज्ञापनों को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने सख्त रवैया अपनाया।

इसके बाद सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय हरकत में आया और विज्ञापन कंपनियों को स्वप्रमाणन-पत्र जारी करने के निर्देश दिए। ऐसे में अगर कंपनियों के प्रोडक्ट में किए गए दावे गलत निकलते हैं, तो न केवल हर्जाना चुकाना होगा, बल्कि कार्रवाई के लिए भी तैयार रहने की बात कही गई है। मंत्रालय द्वारा ऐसे पोर्टल भी तैयार किए जा रहे हैं, जिनमें विज्ञापनदाता स्वप्रमाणन-पत्र अपलोड करेंगे। भ्रामक विज्ञापनों में शामिल चर्चित हस्तियों को भी झूठ में शामिल माना जाएगा। अदालत के सख्त रुख के बाद देर से ही सही पर संबंधित मंत्रालय और व्यवस्थाएं जाग रही हैं वरना तो भ्रामक विज्ञापनों की ऐसी होड़ सी मची हुई है कि स्वयं कामदेव भी दंडवत हो जाए।

गोरापन बढ़ाने वाली क्रीम तो बीते 54 सालों से भ्रामक विज्ञापनों के सहारे ही बिकती आई हैं। इन क्रीमों से गोरापन भले न मिला हो पर कंपनी को 2400 करोड़ रुपये सालाना का रेवेन्यू जरूर मिल रहा है। ऐसा ही हाल पेय पदार्थों को लेकर है जिनका मार्किट 7500 करोड़ रुपये के पार पहुंच गया है जबकि सॉफ्ट ड्रिंक का मार्किट 5700 करोड़ होने का अनुमान है। विडंबना देखिए कि जिन पेय पदाथरे को स्वास्थ्यवर्धक बता कर धड़ल्ले से बेचा जा रहा है, वही बीमारियों की वजह बन रहे हैं। जनता के स्वास्थ्य से खिलवाड़ करने वाली कंपनियों को तो सिर्फ अपना मुनाफा कमाना है जबकि आम जनता लुभावने विज्ञापनों के जाल में उलझी है। वैसे भी कहावत है कि अगर एक झूठ को 100 बार बोला जाए तो जनता उसे सच मान ही लेती है। यही वजह है कि सडक़ से लेकर दीवार तक ऐसा कोई कोना नहीं है, जहां विज्ञापन न चस्पा हो। सुई से लेकर हवाई जहाज तक हर चीज का विज्ञापन दिखाया जाता है। समाचार चैनलों पर तो खबर से ज्यादा विज्ञापन प्रसारित हो रहे हैं। इन विज्ञापनों में इस हद तक अश्लीलता परोसी जाने लगी है कि परिवार के साथ बैठकर टेलीविजन देखना भी दूभर सा हो गया है। न्यूज चैनलों के बीच कॉन्डम का विज्ञापन देखकर लगता है जैसे कोई पोर्न चैनल देख रहे हों। परफ्यूम के विज्ञापन तो ऐसे होते हैं मानो रेप कल्चर को बढ़ावा दे रहे हों। कुल मिला कर देखा जाए तो महिलाओं को विज्ञापन के केंद्र में रखकर नारी देह को अश्लील तरीके से परोसा जा रहा है। विज्ञापनों में महिलाओं को कामुक दिखाने का चलन इस कदर बढ़ गया है जैसे नारी सिर्फ उपभोग की वस्तु हो!

कहने को तो हमारे देश में अश्लील प्रदर्शन के विरु द्ध कानूनी प्रावधान हैं, फिर भी उनकी खुलेआम धज्जियां उड़ाई जाती हैं। कोर्ट ने भ्रामक विज्ञापनों पर तो चाबुक चला दी पर विज्ञापनों के माध्यम से परोसी जा रही अश्लीलता को भी संज्ञान में लिया जाना चाहिए। सच है कि वर्तमान दौर में विज्ञापन हमारे जीवन का अभिन्न हिस्सा बन गए हैं, बदलते परिवेश में विज्ञापनों का रंग-रूप भी बदल गया है। एक दूसरे से बेहतर दिखने-दिखाने की चाह में विज्ञापनों में अश्लीलता का ऐसा दौर शुरू हो गया जिसकी कल्पना नहीं की गई थी। किसी के पास इन सवालों के कोई जवाब नहीं हैं कि ये विज्ञापन 'नारी देह' पर ही क्यों केंद्रित होते हैं? आखिर, एक स्त्री किसी पुरुष के अंडरवियर या परफ्यूम पर ही सम्मोहित कैसे हो सकती है? ऐसी क्या वजह है जो उत्पाद की बिक्री बढ़ाने के लिए महिलाओं के अंग प्रदर्शन और झूठ का सहारा लिया जाता है। विज्ञापन कंपनियां महिलाओं को उपभोग की वस्तु दिखाने से क्यों गुरेज नहीं करतीं? ऐसे में सवाल यह भी है कि क्या जिस स्त्री स्वरूप की हमारी संस्कृति में देवी से तुलना की गई है, वो अब इसी की हकदार बची है? प्रेम और सेक्स कभी भी एक समान नहीं हो सकते और प्रेम और सेक्स को कभी समानांतर आंका भी नहीं जा सकता। लेकिन, विज्ञापनों ने उल्टी गंगा बहाना शुरू कर दिया। उनका एक ही मकसद है, स्त्रियों के कामोत्तेजक हाव-भाव और सम्मोहक अंदाज के जरिए पुरुष दर्शकों को आकर्षित करना। लेकिन, हम पैसे बनाने और किसी ब्रांड को चमकाने के लिए स्त्री की क्या छवि गढ़ रहे हैं? सवाल उस नायिका का भी है, जो ऐसे विज्ञापनों में काम भी सिर्फ पैसे की खातिर कर लेती है। समाज में महिलाओं की स्वच्छ छवि विज्ञापनों के माध्यम से दिखानी होगी। कंपनियों को अपने प्रोडक्ट की गुणवत्ता बढ़ानी होगी ताकि झूठे प्रचार की आवश्यकता ही न पड़े। महिलाओं को भी आगे बढक़र उन विज्ञापनों का विरोध करना होगा जिनमें महिलाओं की छवि को धूमिल किया जा रहा है। भ्रामक विज्ञापनों के मायाजाल को तोडऩा होगा ताकि इनके सम्मोहन से आम जनता को बचाया जा सके।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

आंखों के काले घेरों से छुटकारा चाहते हैं? आजमाएं ये प्रभावी घरेलू नुस्खे

आंखों के नीचे होने वाले काले घेरों के कारण व्यक्ति रोगी लगने लगता है।यह एक आम समस्या है, जिसके लिए नींद में कमी, आनुवंशिकी, तनाव और आहार जैसे कारक जिम्मेदार हो सकते हैं।खैर कारण चाहें जो हो, आंखों के काले घेरों से छुटकारा पाने के लिए आपको महंगी क्रीम और अन्य उपचारों पर निर्भर रहने की जरूरत नहीं है।आइए आज इसके लिए प्रभावी घरेलू नुस्खे जानते हैं।

खीरे के टुकड़ों का करें इस्तेमाल

खीरा अपने ठंडक और त्वचा को हाइड्रेशन देने वाले गुणों से भरपूर होता है।लाभ के लिए ताजे खीरे के 2 मोटे टुकड़े काट सें, फिर उन्हें 20 से 30 मिनट के लिए फ्रीजर में रख दें। समय पूरा होने के बाद ठंडे खीरे के टुकड़ों को बंद आंखों पर रखकर 10-15 मिनट के लिए छोड़ दें।आखिर में ठंडे पानी से अपना चेहरा धो लें।यहां जानिए खीरे के फायदे।

ठंडे चायपत्ती के बैग्स लगाएं

ग्रीन टी बैग्स एंटी-ऑक्सीडेंट से भरपूर होते हैं, जो आंखों के नीचे की संवेदनशील त्वचा में ब्लड सर्कुलेशन को सुधारकर काले घेरे को कम करने में मदद कर सकते हैं।लाभ के लिए 2 ग्रीन टी बैग्स को हल्के गर्म पानी में कुछ मिनट तक भिगोने के बाद 5 मिनट के लिए फ्रीजर में रख दें, फिर इन्हें अपनी बंद आंखों पर रखकर 10 से 15 मिनट के लिए छोड़ दें।इसके बाद चेहरे को ठंडे पानी से धोएं।

आलू आएगा काम

आलू में प्राकृतिक ब्लीचिंग एजेंट और विटामिन्स होते हैं, जो काले घेरों को हल्का करने में सहयोग प्रदान कर सकता है।लाभ के लिए कच्चे आलू को कदूकस करके उसका रस निकालें, फिर आलू के रस में 2 रूई भिगोकर अपनी बंद आंखों पर रखें। 10 से 15 मिनट के बाद चेहरे को ठंडे पानी से धो लें।आप चाहें तो आलू के पतले टुकड़ों को भी बंद आंखों पर रख सकते हैं। इससे भी उतना ही फायदा होगा।

ठंडा दूध भी है प्रभावी

सबसे पहले एक सूती कपड़े या रुमाल में बर्फ रखें और हल्के हाथों से इसे अपनी आंख पर रगड़ें।इसके अलावा अगर आप कुछ सेकंड तक बर्फ को बंद आंखों पर रखकर बर्दाश्त कर सकते हैं तो ऐसा जरुर करें क्योंकि इससे आंखों को आराम मिलेगा।इसके बाद ठंडे दूध में रुई को डुबोकर 5-10 मिनट तक अपनी आंखों पर रखें। इससे चेहरा तरोताजा नजर आता है और आंखों की सूजन भी दूर हो जाती है।

बादाम के तेल और शहद का मिश्रण बनाकर लगाएं

बादाम का तेल विटामिन-ई से भरपूर होता है, जो त्वचा को फिर से जीवंत बनाने में मदद कर सकता है, जबकि शहद में एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण होते हैं।लाभ के लिए आधा चम्मच शहद में बादाम के तेल की कुछ बूंदें मिलाएं, फिर बिस्तर पर जाने से पहले मिश्रण को आंखों के आसपास लगाकर हल्के हाथों से मालिश करें।इसे रातभर आंखों पर लगा रहने दें और अगली सुबह चेहरे को ठंडे पानी से धो लें।(आरएनएस)

शब्द सामर्थ्य -129

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. समासि, खात्मा 3. रोगी, बीमार 5. गंभीरता, गहराई 6. बलपूर्वक, जबरदस्ती, व्यर्थ 9. लानत, तिरस्कार सूचक एक शब्द 10. लक्ष्मी, कमला 11. औषधालय 13. नाव खेने का लकड़ी का यंत्र 14. सतह, 'लेवल' 15. बिजली, तड़ित 17. चौकसी, सावधानी, बचाव 19. कहने वाला, वाचनकर्ता 20. सुंदर, अच्छा, बढ़िया 21. लगातार, तड़-तड़ करते हुए।

ऊपर से नीचे

1. शरीर का कोई भाग, शरीर 2. खोज-बीन, जांच-पड़ताल 3. वोट देने का हक 4. जो अत्यधिक शक्तिशाली व कठोर प्रकृति का हो, दृढ़, मजबूत 7. बरसात, पावस, बारिश 8. भरना, अटना, अंदर करना 12. घटना, हादसा, दुर्घटना 13. लिबाज़, पहनने का ढंग 16. नीला वस्त्र पहने वाला, नीला वस्त्र 17. ऐक्य, एक होने का भाव 18. दिल्ली स्थिति प्रसिद्ध जेल।

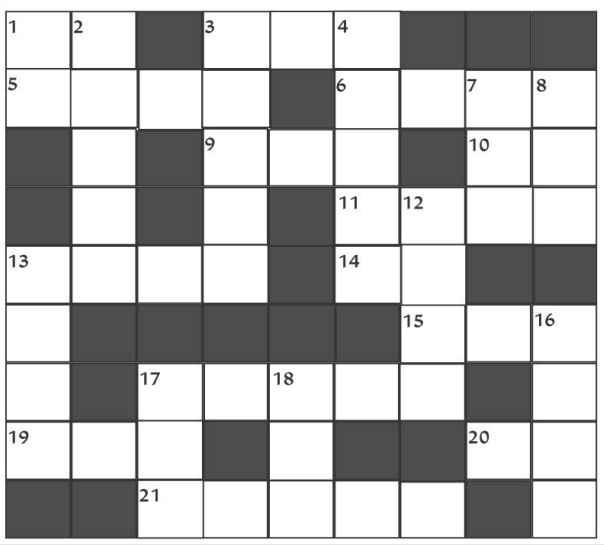

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 128 का हल

वा	स्ता	■	■	सि	स	की	■	■
जि	■	ल	प	ट	■	मा	चि	स
ब	द	ला	■	क	■	■	ल	■
■	■	ट	■	नी	ल	क	म	ल
ता	ली	■	का	■	की	■	■	हू
क	■	स	रो	का	र	■	■	लु
झां	■	ज	बा	न	■	म	सी	हा
क	च	ना	र	■	भा	र्या	■	न
■	र्म	■	■	ज	र	दा	■	■

विजय वर्मा स्टारर मटका किंग की शूटिंग शुरू

इन दिनों विजय वर्मा स्टारर क्राइम थ्रिलर मटका किंग की काफी चर्चा है। फैंस इस सीरीज का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। इस बीच मेकर्स ने एक बड़ा अपडेट जारी किया है। मेकर्स ने एक्टर का नया पोस्टर शेयर करते हुए बताया कि सीरीज की शूटिंग शुरू हो चुकी है। पोस्टर में विजय 90 के दशक के अवतार में नजर आ रहे हैं। उन्होंने व्हाइट शर्ट पहनी हुई है, और ताश के साथ खेलते हुए दिख रहे हैं। पोस्टर को शेयर करते हुए मेकर्स ने कैप्शन में लिखा, शर्त लगाने के लिए तैयार! मटका किंग जल्द ही, लेकिन अभी शूटिंग शुरू। मटका किंग की कहानी 1960 के दशक की है, जिसमें एक कपास व्यापारी मटका नामक एक नया जुआ खेल शुरू करता है। यह खेल शहर में तूफान मचा देता है। यह खेल पहले सिर्फ अमीरों और अभिजात वर्ग के लिए आरक्षित था, लेकिन अब हर वर्ग के लोग जुड़ जाते हैं। इस सीरीज में कृतिका कामरा, सई ताम्हणकर, गुलशन ग्रोवर और सिद्धार्थ जाधव जैसे कलाकार शामिल हैं। रॉय कपूर फिल्म्स के बैनर तले सिद्धार्थ रॉय कपूर और नागराज मंजुले के साथ गार्गी कुलकर्णी, आशीष आर्यन और अश्विनी सिद्वानी द्वारा निर्मित इस सीरीज का निर्देशन नागराज ने किया है और मंजुले के साथ अभय कोरानने ने इसे लिखा है। इस सीरीज को प्राइम वीडियो पर रिलीज किया जाएगा। वर्कफ्रंट की बात करें तो विजय को पिछली बार स्ट्रीमिंग मिस्ट्री थ्रिलर फिल्म मर्डर मुबारक में देखा गया था। इसमें पंकज त्रिपाठी और सारा अली खान लीड रोल में थे। वह जल्द ही फिल्म सूर्या43 और उल जलूल इश्क में नजर आएंगे।

इमरान हाशमी और मौनी रॉय स्टारर शो टाइम का टीजर जारी!

इमरान हाशमी, नसीरुद्दीन शाह, मौनी रॉय और राजीव खंडेलवाल स्टारर वेब सीरीज शोटाइम 8 मई 2024 को डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर रिलीज की गई थी। शोटाइम के सिर्फ 4 एपिसोड्स ही उस समय रिलीज हुए थे लेकिन बाकी बचे हुए एपिसोड्स को लेकर बड़ी अपडेट आई है। एक टीजर रिलीज करते हुए बताया गया है कि शोटाइम के बचे एपिसोड्स आप कब देख सकेंगे शोटाइम को उस समय दर्शकों का काफी प्यार मिला था और अब एक बार फिर आपके सपोर्ट की इस वेब सीरीज को जरूरत है। शोटाइम के सभी एपिसोड्स आप किस तारीख से देख सकेंगे इसकी डेट सामने आ गई है। डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर शोटाइम का एक प्रोमो शेयर किया गया है। वीडियो के कैप्शन में लिखा है, असली मजा तो अब आएगा।।।हॉटस्टार स्पेशल शोटाइम के सभी एपिसोड्स 12 जुलाई से स्ट्रीम कर रहे हैं। शोटाइम हॉटस्टार पर। वीडियो में आप देख सकते हैं कि शोबिज में जितना ग्लैमर देखने को मिलता है अंदर से इसमें काफी ईर्ष्या भी है। पेज 3 हो यो शोबिज हर तरफ एक ही बात है कि ऊंचाई पर कोई एक रहेगा और इसी की हर किसी में लड़ाई है। मेकर्स ने टीजर शेयर करते हुए लोगों की उत्सुकता और बढ़ा दी है। इस सीरीजी में कई ऐसे सितारे नजर आएंगे जिनका अलग ही रूप आपको देखने को मिलेगा। बता दें, शोटाइम का डायरेक्शन मिहिर देसाई और अर्चित कुमार ने किया है। वहीं इस सीरीज को धर्माटिक एंटरटेनमेंट बैनर तले बनाया गया है। सीरीज में इमरान हाशमी और मौनी रॉय के अलावा नसीरुद्दीन शाह, महिमा मकवाना, राजीव खंडेलवाल, विजय राज, श्रिया सरन, विशाल वशिष्ठ जैसे कलाकार नजर आएंगे।

सोनाक्षी सिन्हा की फिल्म ककुड़ा ओटीटी प्लेटफॉर्म जी5 पर होगी रिलीज

अभिनेत्री सोनाक्षी सिन्हा पिछली बार निर्देशक संजय लीला भंसाली की वेब सीरीज हीरामंडी में दिखी थीं और इसमें उनकी अदाकारी की खूब तारीफ हुई।अब दर्शक सोनाक्षी की आगामी फिल्म ककुड़ा का इंतजार कर रहे हैं, जिसके निर्देशन की कमान आदित्य सरपोतदर ने संभाली है।ताजा खबर यह है कि ककुड़ा सिनेमाघरों में नहीं, बल्कि ओटीटी प्लेटफॉर्म जी5 पर दस्तक देने वाली है। अभी तक इस फिल्म की रिलीज तारीख सामने नहीं आई है। ककुड़ा का पहला वीडियो सामने आ गया है, जो हॉरर और सस्पेंस से भरपूर है। निर्माताओं ने लिखा, ककुड़ा के आने का वक्त हो गया है।।।दरवाजा खोलना मत भूलना क्योंकि अब हर मर्द खतरे में है।।।।सोनाक्षी के अलावा रितेश देशमुख और साकिब सलीम भी इस फिल्म में नजर आएंगे।ककुड़ा की कहानी गांव में एक अजीब अभिशाप के इर्द-गिर्द घूमती है, जिसमें सोनाक्षी, रितेश और साकिब की तिकड़ी का सामना एक चुनौतीपूर्ण भूत से होता है। ककुड़ा के निर्देशक आदित्य सरपोतदार ने कहा, एक फिल्म निर्माता और हॉरर-कॉमेडी शैली के प्रशंसक के रूप में, मुझे डर और हंसी के बीच संतुलन साधना अच्छा लगता है। दर्शकों को डराना और खुश करना एक चुनौतीपूर्ण काम है, लेकिन ककुड़ा के साथ, मैं आश्वस्त हूं। हमने एक बार फिर सही तालमेल बिठाया है। मैं प्रतिभाशाली कलाकारों के साथ काम करने को लेकर रोमांचित हूं, जिनमें रितेश देशमुख, सोनाक्षी सिन्हा, साकिब सलीम और आसिफ खान शामिल हैं, जिन्होंने कहानी में हास्य और भावनाओं को शानदार तरीके से जोड़ा है। उनकी कॉमिक टाइमिंग और तरीका उन्होंने वास्तविक भावनाओं को चित्रित किया है, जिससे एक निर्देशक के रूप में मेरा काम बहुत आसान हो गया है। साथ में, हमने एक अनूठी और आकर्षक कहानी तैयार की है, जो दर्शकों को अपनी सीटों से बांधे रखेगी और ककुड़ा के हर मोड़ का बेसब्री से इंतजार करेगी।

ऑडियो सीरीज एंटरटेनमेंट का एक बेहतरीन जरिया है: नायरा बनर्जी

सोशल मीडिया पर मशहूर एक्ट्रेस नायरा एम. बनर्जी अपने रिलेशनशिप स्टेटस को लेकर अक्सर सुर्खियों में रहती हैं। इस बीच वह एक्टर निशांत मलकानी के साथ ऑडियो सीरीज इंस्टा एम्पायर को लेकर चर्चाओं में है। एक्ट्रेस ने ऑडियो सीरीज में काम करने का अपना एक्सपीरियंस शेयर किया।

नायरा का मानना है कि ऑडियो सीरीज में काम करने से एक्टर के विजुअलाइजेशन स्किल्स में सुधार होता है। उन्होंने ऑडियो स्टोरीटेलिंग को थेरेप्यूटिक एंटरटेनमेंट बताया।

ऑडियो सीरीज इंस्टा एम्पायर को लेकर उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि विजुअल के बिना, एक्टर्स को ऑडियो फॉर्मेट में कहानी सुनाते समय इमोशन्स को जाहिर करने के लिए अपनी इमेजिनेशन को बढ़ाना चाहिए।

एक्ट्रेस ने कहा, इमेजिनेशन को बढ़ाने से मन में इमेज बनाने की क्षमता मजबूत होती है। एक्टर का काम किसी किरदार को जीवंत करना होता है। ऑडियो सीरीज के फॉर्मेट से किरदार को बखूबी और बारीकी से पेश करने के लिए ज्यादा स्पेस मिलता है। लिस्नर्स के लिए, ऑडियो सीरीज एंटरटेनमेंट का एक बेहतरीन जरिया है जो थेरेप्यूटिक है, क्योंकि वे आपको अपने दिमाग में कहानी की पिक्चर बनाने देते हैं।

ऑडियो स्टोरीटेलिंग भारतीय संस्कृति का हिस्सा है, कई घरों में आज भी माता-पिता या दादा-दादी बच्चों को सोते समय कहानी सुनाते हैं, यह एक परंपरा है। इस परंपरा ने हमारे मन में ऑडियो स्टोरीटेलिंग के प्रति प्यार को बनाए रखा है।

उन्होंने आगे बताया कि जहां विजुअल एंटरटेनमेंट की अपनी जगह है, वहीं ऑडियो एंटरटेनमेंट ज्यादा दिलचस्प है, जो टाइम, लोकेशन, एक्सेस या एक्टिविटी की परवाह किए बिना हमारी लाइफ में फिट हो जाता है।

उन्होंने कहा, फिल्मों या टीवी शो से अलग, ऑडियो सीरीज का आनंद कभी भी और कहीं भी लिया जा सकता है।

अपने नए ऑडियो शो के बारे में नायरा ने कहा, इंस्टा एम्पायर एक यूनीक प्रोजेक्ट है जो मेरे द्वारा पहले किए गए किसी भी किरदार निभाया है। वहीं, निशांत मलकानी नक्श की भूमिका में हैं।

उन्होंने कहा, निशांत और मैं इस प्रोजेक्ट के लिए एक बार फिर साथ आए हैं, यह बेहद रोमांचक है। इस सीरीज का निर्माण पॉकेट एफएम द्वारा किया गया है।

वेब सीरीज 'कमांडर करण सक्सेना' में नजर आयेंगे गुरमीत चौधरी

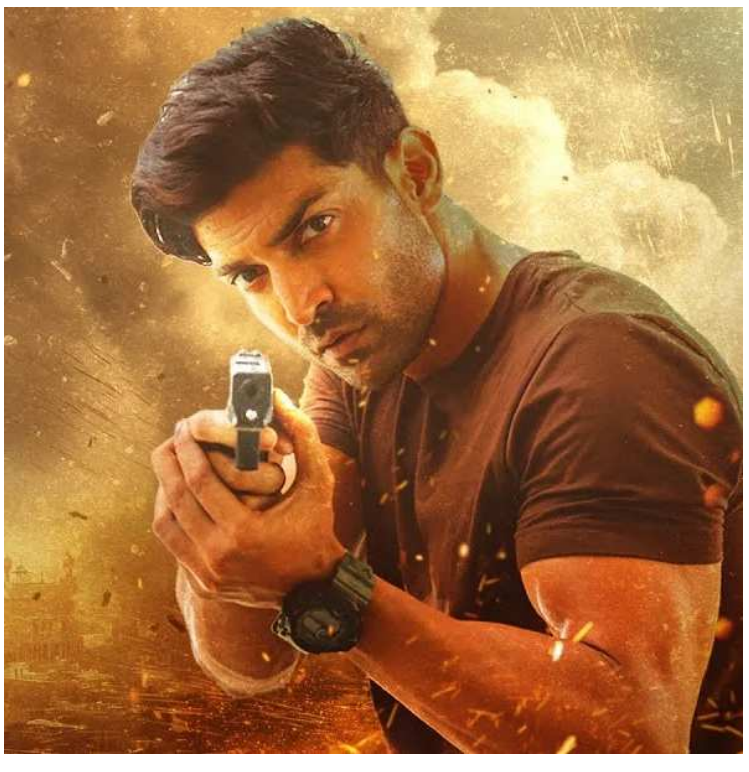

टीवी की दुनिया में भगवान राम का किरदार निभाकर मशहूर हुए अभिनेता गुरमीत चौधरी अब एक्शन अवतार में नजर आने वाले हैं।उन्होंने अपने करियर की पहली वेब सीरीज का ऐलान कर दिया है, जिसका नाम कमांडर करण सक्सेना है।इस सीरीज में गुरमीत के साथ इकबाल खान और ऋचा दुर्गुले भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे।निर्माताओं ने कमांडर करण सक्सेना का टीजर जारी कर दिया है, जिसमें गुरमीत जबरदस्त एक्शन करते हुए नजर आ रहे हैं।

कमांडर करण सक्सेना का पहला पोस्टर भी सामने आ गया है, जिसमें गुरमीत हाथों में बंदूक थामे नजर आ रहे हैं।यह सीरीज ओटीटी प्लेटफॉर्म डिज्नी+ हॉटस्टार पर रिलीज होगी। इसकी रिलीज तारीख से भी पर्दा उठ गया है। कमांडर करण सक्सेना का प्रीमियर 8 जुलाई, 2024 से डिज्नी+ हॉटस्टार पर होगा।

'कमांडर करण सक्सेना' के टीजर से प्रेरित होना स्वाभाविक है, जिसमें गुरमीत चौधरी के वजूद को देश की रक्षा करते हुए देखने का वादा किया गया है। उनके अभिनय से इस शो को एक नया दिमेंशन मिलेगा, और उनका अभिनय इस ड्रामा को उत्साहित करेगा। यह संदेश देखकर स्पष्ट है कि गुरमीत चौधरी के फैंस उनके इस नए और उत्साहजनक किरदार के लिए बेताब हैं। उन्हें इस सीरीज में उनके पसंदीदा कलाकार के रूप में देखने का इंतजार है।

इस सीरीज का निर्देशन जतिन वागले ने किया है, जबकि इसका निर्माण कीलाइट प्रोडक्शंस ने किया है।सीरीज की कहानी अमित खान ने लिखी है।

संविधानिक ढांचे और लोकतंत्र को चुनौती

डॉ. ब्रह्मदीप अलूने

वे माओवादी हिंसा को दरकिनार करके इसे गरीब आदिवासियों का विद्रोह कहती हैं। करीब डेढ़ दशक पहले उन्होंने रेड कॉरिडोर के केंद्र माने जाने वाले बस्तर की गुपचुप यात्रा की और दंडकारण्य में माओवादियों के साथ काफी वक्त बिताया।

वे माओवादियों को भाई, साथी या कॉमरेड कह कर लाल सलाम कहने में फख्र महसूस किया करती थीं। उन्हें संविधान और लोकतंत्र आदिवासियों की खिलाफत का अस्त्र नजर आता है। 1997 में प्रतिष्ठित बुकर पुरस्कार से सम्मानित अरुंधती रॉय अपनी किताब 'वॉकिंग विद द कॉमरेड्स' में लिखती हैं-'भारतीय संविधान, जो भारतीय लोकतंत्र की आधारशिला है, संसद द्वारा 1950 में लागू किया गया। यह जनजातियों और वनवासियों के लिए दुःख भरा दिन था। संविधान में उपनिवेशवादी नीति का अनुमोदन किया गया और राज्य को जनजातियों की आवास भूमि का संरक्षक बना दिया गया। मतदान के अधिकार के बदले में संविधान ने उनसे आजीविका और सम्मान के अधिकार छीन लिए।' अरुंधती अपनी इस किताब में माओवादियों को आंतरिक सुरक्षा का खतरा बताए जाने का मखौल उड़ाती हैं। भारत की यह ख्यात लेखिका मानवाधिकार के मुद्दों पर सरकार पर हमले करने से परहेज नहीं करतीं। अरुंधती कश्मीर में तैनात फौज को जनता की दुश्मन बताती हैं। उन्हें संसद पर हमले के प्रमुख आरोपी अफजल गुरु से हमदर्दी रही। अपने ब्लॉग में वह भारत की पूरी न्याय प्रक्रिया पर कटाक्ष करते हुए कहती हैं-'लेकिन अब जब अफजल गुरु को फांसी दे दी गई है, तो मुझे उम्मीद है कि हमारी सामूहिक अंतरात्मा संतुष्ट हो गई होगी। या फिर हमारे खून का प्याला अभी भी आधा ही भरा है?' 2010 में राजधानी दिल्ली में एक कार्यक्रम में उन्होंने सार्वजानिक रूप से कहा-'कश्मीर कभी भी भारत का हिस्सा नहीं था और उस पर भारत के सशस्त्र बलों ने जबरन कब्जा कर लिया था।'

कश्मीर की पृथकतावादी ताकतों के लिए अरुंधती पसंदीदा चेहरा हैं, और उनके विचारों को वे भारत के बौद्धिक वर्ग की आवाज कह कर दुनिया भर में प्रचारित करते हैं। 2010 में दिल्ली पुलिस ने उनके खिलाफ देशद्रोह का मामला दर्ज किया था। उन पर भारत विरोधी भाषण देने और कश्मीरी अलगाववाद का समर्थन करने का आरोप लगाया गया। अब अरुंधती रॉय के खिलाफ गैर-कानूनी गतिविधियां अधिनियम के तहत मुकदमा चलेगा। अरुंधती अच्छी लेखिका हैं, और उन्हें पसंद करने वाले देश-विदेश के कई लोग हैं, जिन्हें लगता है कि अरुंधती पर मुकदमा कायम करना,अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को रोकने जैसा है। 2023 के फ्रैंकफर्ट पुस्तक मेले में सलमान रुश्दी ने अरुंधति पर मुकदमा चलाने के कदमों की आलोचना करते हुए कहा था-'वह भारत की महान लेखिकाओं में से एक हैं, और बहुत ईमानदार और जुनूनी इंसान हैं। उन मूल्यों को व्यक्त करने के लिए उन्हें अदालत में लाने का विचार शर्मनाक है।'

भारत की विविधता और जटिलता में बहुत सारे विरोधाभास हैं, और इसे स्वीकार भी किया जाना चाहिए। अरुंधती ने अपनी लेखनी और आंदोलनों में हिस्सा लेकर इन्हें समाज के सामने लाने में महती भूमिका निभाई है। आजादी और स्वतंत्रता की पक्षधर इस लेखिका को 45वें यूरोपीय निबंध पुरस्कार से भी सम्मानित किया गया था। अरुंधती भारतीय लेखिका के रूप में देश-विदेश में आमंत्रित की जाती हैं, लेकिन वे अक्सर भारत की छवि को निरंकुशता के करीब ले आती हैं। अरुंधती गरीब आदिवासियों के लिए भारतीय संविधान को शोषण के अस्त्र के रूप में प्रस्तुत करते हुए दिखाई पड़ती हैं।

संविधान का अवलोकन करें तो उनके दावों से उलट आदिवासियों की सुरक्षा, संरक्षण और विकास के लिए कई उपबंध शामिल किए गए हैं। अनुच्छेद 15(4) अनुसूचित जनजातियों की शैक्षिक उन्नति के लिए विशेष प्रावधान सुनिश्चित करता है। अनुच्छेद 46, राज्य को अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के शैक्षिक और आर्थिक हितों को बढ़ावा देने और उन्हें सामाजिक अन्याय एवं सभी प्रकार के शोषण से संरक्षित करने का निर्देश देता है। अनुच्छेद 350 विशिष्ट भाषाओं, लिपियों या संस्कृतियों के संरक्षण के अधिकारों का प्रावधान करता है। लोकतांत्रिक देश में व्यापक प्रतिनिधित्व के लिए संविधान में संसद और विधानसभाओं में अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजातियों के लिए सीटों के आरक्षण का प्रावधान किया गया है। संविधान की पांचवी अनुसूची के अंतर्गत संवैधानिक प्रावधान भूमि अधिग्रहण आदि के कारण जनजातीय आबादी के विस्थापन के विरुद्ध सुरक्षा प्रदान करते हैं।

भारत का रेड कॉरिडोर का क्षेत्र सशस्त्र विद्रोह के लिए जाना जाता है, और यह इलाका हिंसाग्रस्त रहा है। अरुंधती आदिवासियों के हितों के लिए मुखर रहें, यह उनका अधिकार है लेकिन संविधानिक तंत्र को शोषित वर्ग के खिलाफ प्रचारित करने की उनकी कोशिशें भारत की आंतरिक शांति को भंग करती दिखाई पड़ती है। भारत का संविधान अभिव्यक्ति की आजादी को देश के रचनात्मक विकास के लिए जरूरी तो बताता है लेकिन देश की एकता एवं अखंडता की रक्षा के लिए भी सजग है। भारतीय दंड संहिता की धारा 124-ए में देश की एकता एवं अखंडता को हानि पहुंचाने के प्रयास को देशद्रोह के रूप में परिभाषित किया गया है। देशद्रोह के अंतर्गत शामिल हैं, सरकार विरोधी गतिविधि और उसका समर्थन, देश के संविधान को नीचा दिखाने का प्रयास और कोई ऐसा प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष, लिखित या मौखिक कृत्य जिससे सामाजिक स्तर पर देश की व्यवस्था के प्रति असंतोष उत्पन्न हो। अरुंधती ने अपने एक लेख में कहा था-'एक मछुआरे के लिए यह मान लेना कितना गलत है कि वह अपनी नदी को अच्छी तरह जानता है।' दरअसल, अरुंधती को भारत, उसके विरोधाभास, समस्याएं, संविधान और लोकतंत्र को ठीक तरीके जानने और समझने की जरूरत है। वे महात्मा गांधी की भूमिका और उनके कद की आलोचना भी कर चुकी हैं। उन्होंने गांधी के उस संदेश को समझने का प्रयास ही नहीं किया कि सामाजिक न्याय की समस्याओं के हल लोकतांत्रिक और अहिंसा के रास्ते भी तलाशे जा सकते हैं। अरुंधती रॉय और उन जैसे बुद्धिजीवी अभिव्यक्ति की आजादी का कवच धारण कर संविधानिक ढांचे और लोकतंत्र को अक्सर चुनौती देते हैं। यह उनका अधिकार हो सकता है, लेकिन देश उनसे बेहतर नागरिक होने की भी अपेक्षा करता है।

शांति शिखर सम्मेलन

रूस यूक्रेन युद्ध की समाप्ति का रास्ता तलाशने के उद्देश्य से पिछले माह स्विट्जरलैंड में एक शांति शिखर सम्मेलन का आयोजन हुआ जिसमें करीब 90 देशों ने हिस्सा लिया। विश्लेषकों का मानना है कि दो वर्षों के बाद युद्ध विराम को लेकर आयोजित इस शांति शिखर सम्मेलन का उद्देश्य यथार्थपरक है, लेकिन यह आकलन वास्तविकता से कई अर्थो में भिन्न है। सम्मेलन में करीब 100 प्रतिनिधिमंडल आये थे, जिनमें से ज्यादातर पश्चिमी देशों से थे और ये सभी रूस विरोधी थे। यह शिखर सम्मेलन युद्ध विराम और शांति स्थापित करने के उद्देश्य से कोसों दूर इसलिए भी रहा है इसमें रूस को आमंत्रित ही नहीं किया गया।

रूस सबसे महत्त्वपूर्ण हितधारक है और जब तक रूस और यूक्रेन वार्ता की मेज पर एक साथ नहीं बैठेंगे तब तक शांति का कोई परिणाम ही सामने नहीं आएगा। इस शांति शिखर सम्मेलन से ठीक पहले जी-7 देशों के सम्मेलन में दुश्मन देश रूस की जब्त 4177 अरब रुपए की संपत्ति यूक्रेने को देने की घोषणा की गई है। यूक्रेन को एक तरफ नाटो देश हथियार दे रहे हैं और दूसरी ओर अमेरिका लगातार फंड दे रहा है। अब अगर जी-7 देशों की घोषणा के मुताबिक रूस की जब्त संपत्ति यूक्रेन को दी गई तो एक नया मोर्चा खुल जाएगा। यह दो दिवसीय शांति सम्मेलन था। पिछले दिनों एक जनमत सव्रेक्षण में यह बात सामने आई थी कि यूक्रेन की एक बड़ी आबादी का विजय के संदर्भ में निराशावादी रुख है। वे सीमित युद्ध परिणामों को स्वीकार करने के लिए तैयार हैं। यह भी सत्य है कि दो साल से जारी इस भीषण युद्ध के बाद भी जेलेंस्की और पुतिन दोनों के लिए विजय मृगतृष्णा बनी हुई है।

सू- दोकू क्र.129

	7				1		3	
1		9				5		
			3				1	
		5						3
3					2		5	
				3				2
	4						7	
7		8		1		6		
	6		7		9			1

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.128 का हल

5	2	4	9	6	7	8	1	3
3	6	7	4	1	8	2	9	5
8	1	9	3	2	5	4	6	7
6	3	5	1	9	4	7	2	8
7	9	8	5	3	2	6	4	1
2	4	1	7	8	6	5	3	9
4	5	3	6	7	9	1	8	2
9	8	6	2	5	1	3	7	4
1	7	2	8	4	3	9	5	6

समर्थन मूल्य बढ़ाना ही काफी नहीं, खरीद भी हो

अशोक शर्मा

केंद्र सरकार ने हाल ही में 14 खरीफ फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य में वृद्धि का जो फैसला किया है, उसे किसानों के लिए राहत के रूप में देखा जा सकता है। देश के किसानों के लिए पिछला कुछ समय अच्छा नहीं रहा है। इसलिए उन्हें हर तरह की मदद की जरूरत है। किसानों का उत्साह बना रहना चाहिए। कृषि एकमात्र ऐसा पेशा है, जो पूरी तरह प्रकृति पर निर्भर है। प्रकृति रूठ गई तो समझो किसान की किस्मत रूठ गई। अतिवृष्टि, अनावृष्टि, आंधी-तूफान, पाला व सूखा जैसी प्राकृतिक आपदाओं के जितने भी रूप हैं, उन पर किसी का भी बस नहीं है। मौसम साथ न दे तो किसान की मेहनत और उसके द्वारा लगाया गया धन बर्बाद होते देर नहीं लगती।

किसानों के लिए पिछले कुछ समय की प्रतिकूलता प्रकृति से संबद्ध तो रही है, कुछ कारण सरकारों से उनकी उम्मीदों से भी जुड़े हैं। देश के कुछ हिस्सों में किसानों का लम्बा आंदोलन भी इन्हीं उम्मीदों से जुड़ा रहा है। पैदावार का उचित दाम न मिलने या फसल की बर्बादी और कर्ज से घिर जाने पर आत्महत्या करने को मजबूर किसानों की डरावनी तस्वीरें भी सामने आती रही है। खरीफ फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य में बढ़ोतरी के बाद उम्मीद की जा सकती है कि इससे किसानों को राहत मिलेगी। इस बढ़ोतरी से किसानों की झोली में दो लाख करोड़ रुपए की अतिरिक्त राशि आने की बात कही जा रही है। यह बड़ी रकम है, जो किसानों को संबल देने में सक्षम है।

यह बात दूसरी है कि कृषि क्षेत्र से ऐसी आवाजें भी आ रही हैं कि न्यूनतम समर्थन मूल्य में जो वृद्धि की गई है वह 'ऊंट के मुंह में जीरे' के बराबर है और इससे किसानों को खास लाभ नहीं होगा। सरकार का कहना है कि उसने खुले दिल से मदद की है। न्यूनतम समर्थन मूल्य में इस बार की वृद्धि पिछले दस वर्ष में सर्वाधिक है। हालांकि देश के अन्नदाता को जितनी राहत दी जाए उतनी ही कम है क्योंकि हाड़-तोड़ मेहनत के बाद ही खेतों से पैदावार निकल पाती है। यह भी नहीं मानना चाहिए कि सरकार का काम यहां ही खत्म हो गया है। असल में जिन राज्यों में किसान की पूरी फसल की सरकारी खरीद हो जाती है, उन राज्यों के किसानों को अधिकतम लाभ मिलता है, जबकि कम खरीद करने वाले राज्यों के किसानों को इसका अपेक्षित लाभ नहीं मिल पाता। यह भी उजागर तथ्य है कि गेहूं जैसी कई उपजों की न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीद कम हुई है। सरकार खरीद कम करे या फिर नहीं के बराबर करे, व्यापारियों से समर्थन मूल्य जितना भी दाम नहीं मिले तो फिर किसान क्या करेगा? यह बुनियादी सवाल कृषक समुदाय लगातार उठाता रहा है। इसलिए समर्थन मूल्य पर खरीद की गारंटी के कानून की मांग भी उठ रही है। सरकार को इस समस्या का भी समाधान निकालना चाहिए। इसके साथ ही किसानों की दूसरी समस्याओं पर ध्यान देना होगा। जैसे कृषि बीमा में फसल मुआवजे की विसंगतियां और इसके त्वरित भुगतान की राह में अवरोध भी दूर करने होंगे।

जेल में रणवीर की मृत्यु की हो न्यायिक जाँचः धीरेन्द्र प्रताप

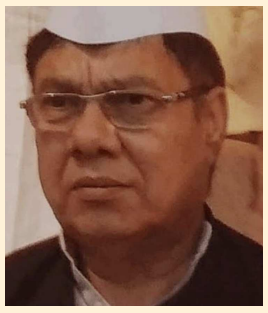

देहरादून (सं)। प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ उपाध्यक्ष धीरेन्द्र प्रताप ने कहा कि रणवीर सिंह रावत की जेल में हुई मृत्यु की न्यायिक जांच की जाये।

उत्तराखंड प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ उपाध्यक्ष धीरेन्द्र प्रताप ने कहा कि ढालवाला में रह रहे मंदार टिहरी गढवाल निवासी युवक रणवीर सिंह रावत जो विश्वनाथ बस का कंडक्टर था की ऋषिकेश कोतवाली पुलिस द्वारा बर्बरता से पिटाई व जिला कारागार देहरादून मे मृत्यु की घटना शर्मसार करने वाली है। उन्होंने इस घटना को बहुत ही दु:खद एवं निंदनीय है जिससे लोगो में काफी रोष है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को भेजे गये ज्ञापन में मुख्यमंत्री से इस कांड के दोषी ऋषिकेश कोतवाली पुलिस अधिकारियों द्वारा की गई बर्बरता से पिटाई के बाद जेल में मृत्यु की न्यायिक जाँच व संलिप्त पुलिस कर्मियों पर हत्या का मुकदमा दर्ज किए जाने की मांग की है धीरेंद्र प्रताप ने इस कांड को पुलिस की प्रबलता का भयानक नमूना बताया और भाजपा द्वारा जीरो टॉलरेंस के ढोल पीटने को को मजाक बताया।

खण्डूडी ने कोटद्वार की समस्याओं पर अधिकारियों से जवाब मांगा

देहरादून (सं)। विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खण्डूडी भूषण ने कोटद्वार की समस्याओं को लेकर अधिकारियों को पत्र लिखकर जवाब मांगा। आज यहां विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खण्डूडी भूषण ने अपनी विधानसभा में लोक निर्माण विभाग को पत्र लिखकर मालन नदी पर पॉकलैंड और जेसीबी के माध्यम से दोनो कॉजवे पर पानी डायवर्ट करने के लिए निर्देशित किया और साथ ही लगातार मॉनिटरिंग करने के लिए भी आदेश किया। उन्होंने बताया की महज अभी 2 या 3 दिन की बारिश हुई है और मालन नदी के उफान पर आ जाने से ह्यूमपाइप कॉजवे वैकल्पिक मार्ग के उपर से पानी बहने लगा जिसके कारण यातायात व्यवस्था दो घंटे तक बाधित रही साथ ही विधानसभा अध्यक्ष ने कोटद्वार के देवी रोड व अन्य जगहों पर हो रही नाली सफाई के मलवे का ना उठाने पर नगर आयुक्त को जवाब देने को कहा है। उन्होंने बताया की निगम द्वारा वर्षा ऋतु से पहले हीं नाली साफ कराई जाती है। किंतु इस वर्ष बारिश के साथ साथ अभी भी कार्य गतिमान है और साथ ही यह नालियों से निकली गंदगी वहीं छोड़ रहे है जिस से कचरा रोड में बहकर लोगों की दुकान के आगे जमा हो रहा है और वापिस नालियों में जा रहा है। नगर निगम की इस लापरवाही पर नाराजगी जताते हुए ऋतु खण्डूडी ने नगर आयुक्त को तुरंत सफाई के साथ कूड़ा उठाने के लिए निर्देशित किया।

शराब के साथ गिरफ्तार

देहरादून (सं)। पुलिस ने शराब के साथ एक को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसको न्यायालय में पेश किया जहां से उसको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार कोतवाली पुलिस ने टैगोर विला के पास एक युवक को संदिग्ध अवस्था में घुमते हुए देखा तो उसको रूकने का इशारा किया। पुलिस को देख वह भाग खडा हुआ। पुलिस ने पीछा कर उसको थोडी दूरी पर ही दबोच लिया। तलाशी लेने पर पुलिस ने उसके कब्जे से 56 पव्वे शराब के बरामद कर लिये। पूछताछ में उसने अपना नाम अभिषेक पुत्र राजकुमार निवासी इंन्द्रा कालोनी चुक्खुवाला बताया। पुलिस ने उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

हाथरस की घटना के बाद पुलिस ...

◀◀ पृष्ठ 1 का शेष

भीड़ प्रबन्धन के दृष्टिगत जनपदों में आयोजित होने वाले विभिन्न मेले, धार्मिक आयोजन एवं अन्य कार्यक्रम अनुमति के उपरान्त ही आयोजित किये जाये, के सम्बन्ध में जनपद के समस्त थाना/चौकी प्रभारियों को भली-भांति ब्रीफ कर निर्देश निर्गत किये जाये। इसके साथ ही समस्त जनपद प्रभारी अपने-अपने जनपदों में होने वाले छोटे-बड़े आयोजनों के सम्बन्ध में एसओपी तैयार कर यथाशीघ्र पुलिस मुख्यालय को उपलब्ध करायेंगे। तदोपरान्त पुलिस मुख्यालय द्वारा भीड़ प्रबन्धन हेतु एक विस्तृत एसओपी तैयार कर जनपदों को उपलब्ध करायी जायेगी। उन्होंने निर्देश दिये कि जनपदों में वर्ष में होने वाले समस्त मेले, त्यौहारों एवं अन्य अवसरों पर आयोजित होने वाले कार्यक्रमों का वार्षिक कैलेण्डर तैयार कर उसके अनुरुप समय से आवश्यक पुलिस प्रबन्ध सुनिश्चित कराये जाये। बिना अनुमति के आयोजित होने वाले कार्यक्रमों के आयोजकों के विरुद्ध नियमानुसार वैधानिक कार्यवाही की जाये। उन्होंने निर्देश दिये कि किसी भी मेले एवं धार्मिक आयोजनों की आयोजकों द्वारा 15 दिवस पूर्व अनुमति हेतु आवेदन किये जाने के सम्बन्ध में व्यापक प्रचार-प्रसार कराया जाये। साथ ही प्रत्येक आयोजन में भीड़ प्रबन्धन के दृष्टिगत पर्याप्त संख्या में पुलिस प्रबन्ध किये जाये। उन्होंने निर्देश दिये कि जनपदों में व्यवस्थापित आश्रमों एवं मठों के पदाधिकारियों से समन्वय स्थापित कर उनके द्वारा वर्ष में आयोजित किये जाने वाले समस्त कार्यक्रमों का विवरण प्राप्त कर उसके अनुरुप समय से कार्यवाही सम्पादित कराना सुनिश्चित करें।

'हेल्थ कोंक्लेब' में चिकित्सकों को किया गया सम्मानित

संवाददाता

देहरादून। डाक्टर डे पर आयोजित हेल्थ कोंक्लेब में चिकित्सकों को सम्मानित किया गया।

आज यहां उत्तराखंड के स्वास्थ्य मंत्री धनसिंह रावत ने कहा कि चौबीस वर्षों में उत्तराखंड स्वास्थ्य के क्षेत्र में अभूतपूर्व कार्य किया है चाहे अंतिम व्यक्ति तक स्वास्थ्य सेवा पहुँचने की बात हो चाहे अंतिम गाँव से व्यक्ति को लाकर बड़े अस्पतालों में स्वास्थ्य सेवा उपलब्ध करना हो। आज जरूरत पड़ने पर आवश्यकतानुसार तत्काल एंबुलेंस के साथ एयर एंबुलेंस भी उपलब्ध कराया जा रहा है। धन सिंह रावत डाक्टर्स डे पर आयोजित हेल्थ कोंक्लेब पर कही। उन्होंने कहाँ आज दूरस्थ जगहों से भी बीमार लोगो को लाने के लिए डंडी कंडी की भी व्यवस्था की गई है । उन्होंने कहाँ की आज आयुष्मान कार्ड से हर जरूरत मंद को तत्काल स्वास्थ्य सेवा उपलब्ध कराई जा रही है। इस अवसत पर कैबिनेट मंत्री प्रेम चंद अग्रवाल ने राज्य में चल रहे स्वास्थ्य सेवा के साथ एनी विकास कार्यों को भी बताया। प्रेम चंद अग्रवाल ने कहा कि आज कोई भी कार्य वित्त की कमी के करण रुकने नहीं दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि आज राज्य में पर्याप्त वित्त की व्यवस्था है और राज्य प्रगति के पाथ पर अग्रसर ही। आई टीवी ग्रुप द्वारा आयोजित कार्यक्रम में पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत ने सरकार पर निशाना साधते हुए नीट परीक्षा में हुए पेपर लीक पर कड़े प्रहार किए। उन्होंने कहा डाक्टर भगवान का दूसरा रूप होता है और आज वही संदेह के घेरे में है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए परमार्थ निकेतन के अध्यक्ष स्वामी चिदानंद मुनि महाराज ने स्वास्थ्य में पर्यावरण के महत्व को समझाया उन्होंने कहाँ स्वस्थ रहने के लिए खुश रहना जरूरी है इसलिए हमेशा सकारात्मक सोच के साथ प्रशंचित रहे। कार्यक्रम में उत्तराखंड में चुनिंदा उन डाक्टरों को भी सम्मानित किया गया जो सही मायने में पहाड़ और पहाड़ के लोगों की सेवा को समर्पित है उनके मुख्य रूप से प्रसिद्ध हृदय रोग विशेषज्ञ डाक्टर के बी जोशी, महिला रोग विशेषज्ञ डाक्टर सुमिता प्रभाकर, प्रसिद्ध न्यूरो सर्जन डाक्टर महेश कुड़ियाल, डाक्टर अमित जोशी, डाक्टर अवनी कमल, डाक्टर इंद्रसेन श्रीवास्तव, डाक्टर सिद्धांत खन्ना, डाक्टर अरविंद चौधरी, डाक्टर राजकुमार, डाक्टर मुकुल, डाक्टर राहुल बयाना मुख्य रहे। कार्यक्रम में आई जी सीआरपीएफ भानु प्रताप सिंह, निवर्तन मेयर सुनील उनियाल गामा, महिला एवम् बाल संरचना आयोग की अध्यक्ष डाक्टर गीता खन्ना, बफ बोर्ड के चेयरमैन शदाब शम्स, राज्यमंत्री मधु भट्ट, पूर्व मंत्री राज कुमार पुरोहित, कांग्रेस की प्रदेश प्रवक्ता गरिमा दसौनी, भाजपा प्रदेश प्रवक्ता संजीव वर्मा, पुरुषोत्तम भट्ट अध्यक्ष अपना परिवार सहित प्रदेश के कई सम्मानित लोग मौजूद रहे।

मारपीट करने पर बहन भाई के खिलाफ मुकदमा दर्ज

संवाददाता

देहरादून। मारपीट कर जान से मारने की धमकी देने पर पुलिस ने बहन भाई के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार सहसपुर निवासी नेहा कुमारी ने सहसपुर थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसका भाई शुभम अपनी फास्ट फूड की दुकान चलाता है। आज लगभग साढे पांच बजे उसका भाई शुभम अपनी दुकान पर काम कर रहा था। तभी उसके भाई की दुकान पर राजा व उसकी बहन गीता देवी उसके भाई के साथ पैसे के लेन देन के विषय मे बातचीत कर रहे थे। वह उसके भाई से 5000 रूपये मांग रहे थे। उसके भाई ने जल्दी ही पैसे वापस करने को कहा। लेकिन राजा व उसकी बहन गीता ने उसके भाई के साथ मार पीट शुरु कर दी। उसने बीच मे घुसकर बचाव करना चाहा तो इन लोगो ने उसके साथ भी मारपीट शुरु कर दी। इसी बीच राजा ने कुछ बदमाशो को फोन किया और वहा पर सुरेश कश्यप, शुभम, वैभव शर्मा, हिमांशु, राजु तथा अनमोल कडवाल ने अपनी बाईक से लोहे की रोड से उसके भाई को मारते हुऐ राज कुमार के घर तक मारते हुऐ ले गये और फिर यहा उन्हें गन्दी-2 गालीयां दी तथा उसके भाई को व पूरे परिवार को जान से मारने की धमकी दी है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

समपर्ण संस्था ने रुड़की उपकारागार में लगाये 151 फलों के पौधे

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। समर्पण जन कल्याण संगठन ट्रस्ट, रूड़की द्वारा रजत जयंती वर्ष में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर एक पेड़ मां के नाम के तहत आज एक श्रृंखला जारी की गई जिसमें आज रुड़की उप कारागार में समर्पण संस्था द्वारा 151 फलों के पौधे रोपित किए गए।

उप कारागार अधीक्षक आर के द्विवेदी ने जेल परिसर में पौधा रोपण करने की अनुमति दी। आज के कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में संस्था के संरक्षक चेराब जैन फोनिक्स कॉलेज आफ इंस्टीट्यूट रुड़की का रहे। उनके द्वारा जेल परिषद में पौधे आरोपित किए गए और साथी संस्था के कार्यों की तारीफ की गयी। चेराब जैन ने कहा कि समर्पण संस्था आज ही नहीं पिछले 20 सालों से जिन पौधों को लगा रही है वह आज बहुत सारे पौधे वृक्ष का रूप ले चुके हैं हमारे कॉलेज प्रांगण में भी संस्था ने पिछले 6 साल पहले पौधे आरोपित किए थे वह आज बहुत हरियाली कॉलेज परिसर में दे रहे हैं। मैं संस्था का उस कार्य के लिए आभार प्रकट करता हू। इस अवसर पर संस्था के अध्यक्ष नरेश यादव और समर्पण पर्यावरण प्रभारी संदीप यादव ने सभी का आभार प्रकट किया और आगे भी इस श्रृंखला को जारी रखने का वादा किया। समर्पण महिला शाखा के अध्यक्ष रेणू गुप्ता महिला शाखा टीम के साथ जेल परिसर में पहुंचकर पौधारोपण कार्यक्रम में सहयोग किया और संस्था के हर कार्य में हिस्सा लेने का अपनी टीम के साथ वादा किया।

एक नजर

घोटाला 'आप' ने किया, शिकायत कांग्रेस ने की और गाली मुझेः मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को राज्यसभा को संबोधित किया। उन्होंने राज्यसभा में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर हुई चर्चा का जवाब दिया। पीएम मोदी ने कहा, इमरजेंसी की बात पर कहते हैं ये पुरानी बात हो गई। आपके पाप पुराने हो जाते हैं क्या। जयप्रकाश नारायण की तबीयत इतनी खराब हो गई कि वह फिर उठ नहीं पाए। ये बहुत सी पार्टियां जो उनके साथ बैठी हैं, इनकी भी अपनी मजबूरियां होंगी। पीएम ने आगे कहा, ये उच्च सदन है। यहां विकास के विजन पर चर्चा स्वाभाविक है। ये कांग्रेस वाले बेशर्मी के साथ भ्रष्टाचारी बचाओ आंदोलन चलाने लगे। पहले हमसे पूछ रहे थे कि कार्रवाई क्यों नहीं कर रहे हो। अब जेल जा रहे हैं तो साथ तस्वीरें दिखा रहे हैं। यहां जांच एजेंसियों पर सवाल उठाए गए हैं। घोटाला करे आप, आप की शिकायत करे कांग्रेस और कार्रवाई हो तो मोदी दोषी। अब ये लोग साथी बन गए हैं। प्रधानमंत्री ने कहा, बहुत सी पार्टियां जो इनके साथ बैठी हैं, अल्पसंख्यक हितैषी होने का दावा करती हैं। इमरजेंसी के दौरान तुर्कमान गेट और मुजफ्फरनगर में क्या हुआ था, बोलने की हिम्मत कर पाएंगे क्या। ये लोग कांग्रेस को क्लीन चिट दे रहे हैं। कई पार्टियां जिन्होंने इमरजेंसी के दौरान धीरे-धीरे जमीन बनाई, वो आज कांग्रेस के साथ हैं। ये कांग्रेस परजीवी हैं। देश की जनता ने आज भी इनको स्वीकार नहीं किया है। वे देश की जनता का विश्वास हासिल नहीं कर पाए, जोड़ तोड़ कर बचने का रास्ता खोज रहे हैं। फेक नैरेटिव, फेक वीडियो के जरिए देश को भ्रमित करने की इनकी आदत है।

लद्दाख में आया 4.4 की तीव्रता को भूकंप आया

नई दिल्ली। लद्दाख में बुधवार (3 जुलाई) सुबह भूकंप के झटके महसूस किए गए। रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 4.4 रही। भूकंप की तीव्रता कम होने के कारण इलाके में किसी प्रकार के जान माल का नुकसान नहीं हुआ है। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र ने इसकी जानकारी देते हुए बताया कि सुबह लगभग 08:12 बजे भूकंप आया। एनसीएस के अनुसार, भूकंप केंद्र सतह से 150 किलोमीटर नीचे 36.10 डिग्री अक्षांश और 74.81 डिग्री देशांतर में था। खबरों के मुताबिक, इससे पहले 20 मई 2024 को लद्दाख में भूकंप के झटके महसूस किए गए थे। नेशनल सेंटर ऑफ सीस्मोलॉजी ने बताया कि लद्दाख में जो भूकंप आया था, उसकी तीव्रता 4.0 मापी गई थी। फिलहाल इस दौरान भी भूकंप की तीव्रता काफी तेज रही, लेकिन किसी भी प्रकार के नुकसान की कोई खबर सामने नहीं आई। मई के महीने में लद्दाख में आए भूकंप की खास बात यह थी कि जिस दिन सुबह यह भूकंप आया उस दिन लद्दाख में लोकसभा चुनाव के मतदान भी होने थे।

'हाई कोर्ट के रिटायर्ड जज की अध्यक्षता में होगी हाथरस मामले की न्यायिक जांच'

लखनऊ। हाथरस में घटना स्थल का मुआयना करने के बाद सीएम योगी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इस दौरान सीएम ने कहा कि इस मामले की न्यायिक जांच होगी। हाई कोर्ट के रिटायर्ड जज की अध्यक्षता में इस पूरे मामले की न्यायिक जांच होगी। वहीं भोले बाबा के खिलाफ एफआईआर के सवाल पर सीएम योगी ने कहा कि शुरुआत में कुछ लोगों पर एफआईआर होती है, इसके बाद इसका दायरा बढ़ता जाता है। ऐसे में सीएम योगी ने साफ कर दिया है कि आने वाले समय में भोले बाबा का नाम एफआईआर में शामिल हो सकता है। इसके साथ ही सीएम ने कहा कि यह घटना हादसा है या षड़यंत्र हम इसकी जांच करेंगे। इस पूरी घटना के तह तक जाने के लिए हमने कल ही व्यवस्था बचाई थी। लेकिन हमने पहले राहत-बचाव के कार्य को आगे बढ़ाने का फैसला लिया। इस पूरे हादसे में 121 श्रद्धालुओं की मृत्यु हुई, जो यूपी के साथ-साथ हरियाणा, राजस्थान और मध्य प्रदेश से भी जुड़े थे। उत्तर प्रदेश में हाथरस, बदायूं, कासगंज, अलीगढ़, एटा, मलिकपुर, आगरा, फिरोजाबाद, गौतमबुद्ध नगर, मथुरा, संभल, पीलीभीत, लखीमपुर खीरी, इन 16 जनपदों के लोग हादसे का शिकार हुए हैं। 121 में से 6 मृतक ऐसे हैं जो अन्य राज्यों से थे, जिसमे ग्वालियर से 1, हरियाणा से 4 और राजस्थान एक हैं। हाथरस के जिला अस्पताल में 31 ऐसे घायल हैं जो हाथरस, अलीगढ़, एटा और आगरा के अस्पताल में इलाज चल रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि मैंने घटनास्थल का दौरा किया और वहां जाकर उसे देखने का प्रयास किया है। हादसे के कारणों की प्रारंभिक वजहों को देखने के लिए मैं स्वयं गया था। हमारे तीन मंत्री यहां कल से ही कैंप कर रहे हैं।

3 करोड़ 60 लाख की स्मैक के साथ नशा तस्कर गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। एसटीएफ ने तीन करोड 60 लाख रूपये की स्मैक के साथ एक नशा तस्कर को गिरफ्तार किया। एसएसपी एसटीएफ ने पुलिस टीम को 25 हजार रूपये ईनाम की घोषणा की।

आज यहां इसकी जानकारी देते हुए एसएसपी एसटीएफ आयुष अग्रवाल ने बताया कि उत्तराखण्ड एसटीएफ की एण्टी नारकोटिक्स टास्क फोर्स द्वारा थाना रायवाला क्षेत्र में स्थानीय पुलिस के साथ संयुक्त कार्यवाही करते हुए विंडलास रीवर वैली हरिद्वार रोड के पास से एक व्यक्ति गजराज सिंह पुत्र रामस्वरूप सिंह निवासी वार्ड नंबर 11 देवीनगर थाना पोंटा साहिब जनपद सिरमौर हिमाचल प्रदेश को एक किलो 200 ग्राम स्मैक के साथ गिरफ्तार किया गया। गजराज द्वारा पूछताछ पर बताया कि बरामद की गयी स्मैक को वह धामपुर उत्तर प्रदेश से लेकर आया था। आरोपी से पूछताछ में यह भी पता चला कि बरेली का तस्कर धामपुर तक इस माल को पहुंचाता था तथा यहां से पकड़ा गया गजराज इस माल को आगे पोण्टा साहिब और देहरादून में अपने एजेण्टों के माध्यम से विक्रय कराता था। इस पर एसटीएफ द्वारा पूछताछ में अन्य कई ड्रग्स तस्करों के नाम की जानकारी हुई है जिन पर अलग से कार्यवाही की जायेगी। पेशे से पकड़ा गया गजराज पोण्टा साहिब में पेण्ट के बुश बनाने का काम करता है। तस्करी के धन्धे में यह आरोपी विगत 02 सालों से बरेली व धामपुर से स्मैक लाकर पोण्टा साहिब और देहरादून में अपने फिक्स एजेण्टों को सप्लाई कर रहा था। टीम को वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक एसटीएफ ने 25 हजार रूपये नगद ईनाम देने की घोषणा की गयी।

उधार के पैसे मांगने पर मारपीट कर किया घायल

संवाददाता

देहरादून। सहसपुर निवासी राजेश भूमिया ने सहसपुर थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसके पुत्र राजा भूमिया से शुभम पुत्र ईसम सिंह निवासी सहसपुर ने पाँच हजार रूपये उधार लिया था, उसके बेटे द्वारा कई बार पैसे माँगने पर भी नही दिये, आज शाम साढे पांच बजे शुभम ने उसके बेटे राजा भूमिया को फोन करके बुलाया और कहाँ कि आकर अपने पैसे ले जाओ, जब उसका बेटा पैसे लेने गया तो शुभम व उसका साथी सागर पुत्र मोहन निवासी सहसपुर ने राजा भूमिया के साथ गाली गलोच व मार पीट शुरु कर दी और बोला कि रोज-रोज पैसे मांगने आता है, आज तेरा किस्सा ही खत्म कर देता हूँ, जान से मारने की नियत से वहाँ पर रखे भारी सरिया व भारी रॉड से सिर पर कई बार बार करके लहुलुहान कर दिया उसका बेटा वही पर बेहोश होकर गिर गया। उसने व उसकी बीवी अपने बेटे को बचाने गये तो शुभम ने उसके साथ गाली गलोच करते हुए उसकी बीबी के कपडे फाड़ दिये वह जैसे तैसे अपने बेटे को सरकारी अस्पताल लेकर गये वहाँ से उसके बेटे को ईलाज के लिये ग्राफिक ऐरा अस्पताल रेफर कर दिया उसके बेटे के सिर मे गम्भीर चोटे आई है जहाँ उसकी स्थिति गम्भीर बनी हुई है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

डम्पर की चपेट में आकर कार चालक घायल

संवाददाता

देहरादून। रानीपोखरी निवासी गौतम थापा ने रायवाला थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह अपनी कार से दिल्ली से रानीपोखरी की तरफ जा रहा था जब वह मोतीचूर फ्लाईओवर के पास पहुंचा तभी सामने से आ रहे डम्पर ने उसकी कार को टक्कर मार दी जिससे उसकी कार क्षतिग्रस्त हो गयी और वह घायल हो गया। डम्पर चालक मौके से डम्पर लेकर फरार हो गया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

रुद्रप्रयागः बादल फटने से खेतों व स्कूल के रास्ते में आया मलवा

कार्यालय संवाददाता

रुद्रप्रयाग। जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी नंदन सिंह रजवार ने अवगत कराया है कि आज 3 जुलाई को समय प्रातः 8 बजे ग्राम प्रधान रुमसी द्वारा सूचना दी गई कि रुमसी देवीदार तोक में बादल फटने के कारण स्कूल का रास्ता व कुछ खेतों में मलवा आया है।

घटना की सूचना प्राप्त होते ही मुख्य विकास अधिकारी डॉ. जीएस खाती, मुख्य कृषि अधिकारी लोकेंद्र सिंह बिष्ट, खंड विकास अधिकारी अगस्त्यमुनि प्रवीन भट्ट एवं जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी नंदन सिंह रजवार तथा राजस्व उप निरीक्षक घटना स्थल के लिए रवाना हुए तथा घटना स्थल पर पाया कि देवधार में जूनियर हाईस्कूल का रास्ता एवं कतिपय कृषि भूमि का आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त हुए हैं। इस घटना में किसी प्रकार से कोई जानमाल, जनहानि एवं पशु हानि नहीं हुई है।

घटनास्थल पर पहुंचे मुख्य विकास अधिकारी डॉ. जीएस खाती ने मुख्य कृषि अधिकारी, राजस्व उप निरीक्षक एवं खंड विकास अधिकारी सहित संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि आंशिक रूप से क्षति हुई कृषि भूमि एवं जूनियर हाईस्कूल रास्ते का आंगणन प्रस्ताव आपदा प्रबंधन के तहत तैयार कर शीघ्रता से शीघ्र उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं तथा जूनियर हाईस्कूल के रास्ते में आए मलबे को तत्परता से हटाने के भी निर्देश दिए गए हैं।

स्कूल बस ने 6 महिलाओं को कुचला, एक की मौत पांच गम्भीर घायल

हमारे संवाददाता

उधमसिंहनगर। सड़क दुर्घटना में एक स्कूल बस ने 6 महिलाओं को कुचल दिया। जिनमें से एक की मौत हो गयी वही पांच गम्भीर रूप से घायल हुई है।

सड़क दुर्घटना का यह मामला रुद्रपुर के काशीपुर रोड पर एलाइंस कॉलोनी के सामने घटित हुआ है। यहां एक स्कूल बस ने अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खड़ी ऑटो का इंतजार कर रही महिलाओ को जोरदार टक्कर मार दी। जिसमें छह महिलाएं गंभीर रूप से घायल हो गई। घायलों को उपचार के लिए जिला अस्पताल ले जाया गया। जहां एक महिला को चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलने पर पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर अग्रिम कार्यवाही शुरू कर दी है।

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकारः
वी के अरोड़ा, *एडवोकेट*
बैजनाथ, *एडवोकेट*

कार्यालयः दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोटः सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।